EXHIBIT K

Somal Drawings L.



| Case 1: | 05-cv-00768-SLR | Document 146-10 Filed 05/18 | 3/2007 Page 3 of 76 |
|---------|-----------------------------------|---|---------------------------------------|
| | 70270 U.S. PTO 08024142 | PATENT APPLICATION ORB24142 | APPROVED FOR LICENSE 6 |
| | Date Entered er Counted | CONTENTS | Date Received or Malled |
| | 1. 2. | Application Frinds papers. LURE NO Dec | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| | 3. 4. (//J/))) 5. | TAGENTION STRUCT | 4:39-99 10-30-97 9-28-98 |
| | 6. Com 10/26 7. 19/30 8. | ELICTION (And B Bejierros (Sures) | 9-8-48 11-2-98 12-31-98 |
| | 9. <u></u> %ai 10. 11. | Ochnot D(NE) | 3.34.99 6.22-99 9-24.99 |
| | 12. 13/ 14. | Confl. Viction | 2-7-00 |
| | 15. 16. 5 t5 | Argection (3 miss) | 3-15-00 |
| | 19. 20. | June Regularis mon) | 16-23-35. 5-23-55. 6/5/cp |
| | | Exis Cambb/ (- | 01/25/21 |
| | <u>4-,30-01</u> 24. 25. 26. | | <u>4-/6-cl</u> |
| | 27. 28. 29. | | |
| | 30. 31. 32. | (FRONT) | |



| SEARCHED | | | | | |
|---------------|----------|----------|-------|--|--|
| Class | Sub. | Date | Exmr. | | |
| 623 | / | 12/25/94 | -J#- | | |
| 600 | 36 | | / | | |
| 606 | 141 1 | / | | | |
| 606 | 2500 | 12/28/55 | Jx2~ | | |
| ligitated | | 6/3/77 | JAZ. | | |
| oboves | | | | | |
| ligitate | dabre. | 5/1400 | ₹V | | |
| | reclass | tel | Ì | | |
| as: | | | | | |
| 623 | 1.1 | | | | |
| | 1.15 | | | | |
| 623 | 1.2 | 5/12/00 | ×2 | | |
| | <u> </u> | | | | |
| l <i>:1</i> 1 | ted the | 1/20/0/ | 32 | | |
| abore | search | | | | |
| | | | | | |
| | . / | | | | |
| | (1 | | | | |
| • | Ì | | | | |
| | | | | | |

| INTERFERENCE SEARCHED | | | | | |
|-----------------------|------|---------|-------|--|--|
| Class | Sub. | Date | Exmr. | | |
| 623 623 | 1.12 | 1/20/01 | 8-8- | | |

| SEARCH N | IOTES | |
|---|-----------|---------|
| | Date | Exmr. |
| Consulted by Ext Tram Vg. yen and From Extr Mike Milano he restriction Vote inside he related Epplications examined by Proble T. Ngnyen, & M. Milano. | 4 15/48 | -57% |
| Mrs. Scendard, Sec. Market | 12/13/55 | · 15.16 |

| POSITION | ID NO. | DATE |
|-------------|--------|---|
| CLASSIFIER | 7 | 14.23 |
| EXAMINER | .501 | 1/1/9 |
| TYPIST | | - 17-17-2 |
| VERIFIER | | |
| CORPS CORR. | 1/ | |
| SPEC. HAND | 41570 | 4-34-9 |
| FILE MAINT. | | - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 |
| DRAFTING | | |

INDEX OF CLAIMS

| | | | | |
|--|--|--------------------------------|---|-------------------|
| Claim | | Date | A | |
| <u>_</u> <u>~</u> | الماجدا | X . X | 41 3 | |
| Final Original | 47,272 26,272 | 44 | 1/24/6 | ·i I |
| 1世 美 | 18 18 N | 0 N | 12 | 1 1 |
| | | <u> </u> | A | 1 6 |
| 1 | <u></u> → / | 11 | | — r |
| 2 2 | | | | ·]·— - |
| 1515 | <u> </u> | | يتسال له. | 1_1 |
| 2 2 3 | | | - U | |
| | | <u> </u> | - : | ` - |
| | | | // | 11 |
| (* 夜5) | | 1 2 | 0 - | : 1 " |
| ¥ (5) | N N | 2 C C | × × × × × × × × × × × × × × × × × × × | 1 |
| \$ 7 | | / | | } } |
| | | | | il |
| 78 | 1 11 | IN | 1// | + 1 |
| (9) | | 71.61 | 73 = | 1 |
| 760 | 1 | 게의 | 0 = | } |
| - | | JJ. 94 | <u>-1.</u> = | 1 |
| \$ 00 \$ 00 | | 100 | 7 | |
| 7 V3 | - | 11 77 | 7 | J - J |
| | - - - } | - - | | <u></u> |
| 9 (3) | 140 | ノじ | 可幸 | |
| T 14 | 1 | , | | |
| 17 16 | T - - | r + + + | | · |
| <u> </u> | ╅┪╽╂┪ | +1.1 | 111 | ļ |
| P | 4-17-17-1 | | 777 | l |
| 14 17 | 114 | 1/ | ·4 = | |
| 14 15 15 17 17 17 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 | 1 | | | |
| 11 19 11 20 | - - - - - - - - - | / [] | | · |
| | | | <u> </u> | |
| 11 20 | 1111 | | $A \cap A \cap A$ | |
| 13 2 | + + + | - - | ╌┨╌╂╼┼ | — <u></u> |
| ۔ انگائیا | ╅╼╂╼╂╼┪╸╌ | ,,, | ╌╏┟┸┪ | |
| 14 22 | 100 | | Z [5] | ' |
| a3 | -4 | 1-1 | 7-17- | |
| 23 24 25 25 26 27 37 88 49 30 31 | | - - <u> </u> - - | - | |
| 11-5 | ┤╌┤═╅╌╃╌ ╏ | · - | ╌┼╌ | |
| 1-4-1-5-1- | | -1-1-1 | | |
| 1 26 | | 1 I i | $I \cap I$ | |
| 27 | , <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </u> | 777 | 7177 | |
| 1-1-1-1-1- | +- | -1-1-1- | ╉╼╂╉╾╽ | · |
| H-13- | ├┤ ┤ ┤╅ | +-4-4- | H | |
| 49 | | | $I \cap I$ | 1 1 |
| 30 | | 111- | | |
| 1 1 1 1 7 1 1 | | · ∤ · ∤· | ╿ ╼┤╶╿╼╃ | - |
| | ┈┤╌╂╌┼╌╂ | ┽┅┞┽╾ | | |
| 1 1 12 1 | | 44 | | [_ [|
| 13 | | $\Pi\Pi$ | | |
| 34 | | - | †- - - - | |
| 34 35 36 37 | - - - - | ·ो·┤─┤─ | - - - - | |
| 1++11:4- | └ ╌┡┈╄╶┃╍┨╸ | - - | - - | |
| 36 | | 11.1 | | |
| 37 | | 1 T T | | |
| ilidaki | ┍╽╶┼┤┼ | 1 <i>1</i> -1- | | |
| H-137-H- | ╽┪╾╢┝╇ | + | ╁┽┞┷ | |
| 337 | | 44 | Ш | 11 |
| | | 111 | Π | |
| 17 47 | | ++-+- | ! | |
| 11111 | ┵┪╢┺ | ╁╇┪╌ | ┦ ┤┼┼ | |
| 42 | _1.11 | | | _ |
| | | 1 177 | | $\neg \neg \neg$ |
| 44 | ╼╁╌╉╼╂╼ | 11 | ┊ ┤╾┧╾├╴ | - |
| المارات المسلما | ╼╪╼╏╌╅╌ | 141- | | |
| 45 | | | | 1 7 |
| 46 | | 1777 | -1-1-1- | 1 |
| 141 | ╼┾╼╅╼┤╼┥╴ | ┤╺ ╅╍┩ | ╌┼╌╁╌┼ | |
| | - | ┡ ╼┩╼┸ | 44. | |
| 14 | │ ▄ ╬╼╁╼┸╌ | | | 1 7 |
| 15 (49 | ナノフ | | | |
| | + | | | |
| 30 | | | | |
| | | | | |

| | Allowed |
|---|--------------|
| (Through numberal) | Canceled |
| et | Reskicued |
| | Hun-slected |
| Sec. of emilia and employed | Interference |
| *************************************** | Appeal |
| | Objected |
| | |

| Claim | Γ | - | Date | | |
|------------------|--|-------------------|--|--|--|
| ાં ⊤સ | 2/11/2 | . र श | | गञ्भ | T |
| Final | 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1 | 3 | 3/2/2 | 18 | |
| 1-13 | 3 | 131 | 9/10 | | |
| 7 5) 52 | -1 | | | | |
| 5 <u>2</u> 53 | 444 | ┧┪ | | | • |
| 53 | 1-1-1-1 | 4-44 | ++ - | 4-1-1- | |
| 54 55 | | +H | + | | |
| 36 | | - - - | ┾╁╄ | ┥╃┈ | 4 |
| 1 1 1 | | ╌┠╼╁╼ | ┨ | - }-}- | |
| 57 58 | -+ | 1+ | +- /- | ┪╼╂╌╅╌ | |
| 59 | 771 | ### | ╧ | +++- | $\dashv \dashv$ |
| i ⊆ 60 | | 17 | = = | : <u> = </u> | |
| E 1 | \top | 1-1 | | | |
| 68 | | + | - | - | 1 |
| i₹ 63 | | 12 | | = | |
| 1y 64 | +11 | 1.71 | = 1 | | |
| 19 65 | ╁┼┼ | . . | = | 111 | |
| 22 66 | +++ | | = | ₩. | 4 |
| € 67 14 68 | ╃┽┪ | - | = + | - - - | |
| ZA 69 | ++- | -/- - | <u>= </u> | ┦╌╂╌┼╌╌ | |
| - 70 | H | | = 1.2 | | |
| | | | | 1-1- | |
| 24 72 | ++ | 1 | | | - |
| | 1 - | | | | + |
| | | | | | ╅─┤ |
| CS\$ 75 | | r! 1 | J H | - | |
| 37 | | 1 | | | |
| 27 | | l-14 | 111. | | |
| 17,3 | | | - | | |
| 1 80 | | 11- | | | ↓ |
| 8 | | ╁╅╾┤╸ | ╂╌╢╂╌╌ | ├ | |
| 82 | | ┨╅╌ | ┧┼┦─╌ | ┋ | + |
| 1 88 | | 1 | | | 1 |
| CX 84. | 7 | | V 2 | = | 1-1 |
| 14 85]. | \Box | | 7 4 | = | 1 |
| 86 | | | \Box | | |
| 87 | _ | \perp | | | |
| 88 | | | | | |
| 90 | | | | <u> </u> | \vdash |
| 91 | + $+$ | | + | <u> </u> | |
| 91 | | \dashv | - | - | |
| 93 | $\dashv \dashv \dashv$ | | +- $ $ | | |
| 94 | | | | | ├ ┤ : |
| 95 | 1-1 | | | | |
| 96 | | | | - | |
| 97 | 1.1 | | +1 | -+ | ; |
| 98 | 7-1 | | + | | |
| 99 | 7 | _ | - | | |
| 100 | 7-1 | | $\dashv\dashv$ | +- | |
| | | | | | ، لــــا |

Dear Valued Customer

While copying your file we noticed that there are one or more 'Other Publications' missing from the contents of the file wrapper. At your request, we will attempt to obtain the missing publication(s) from alternative resources. Please note that additional charges will apply to this service.

Please contact a Faxpat / Optipat customer assistance representative at the numbers listed below to place an order for these items. To help expedite the ordering process, please have your order number and file number available at the time of your call

We appreciate your patronage and look forward to meeting all of your Intellectual Property service needs. Thank you.

(12) United States Patent Jang

(10) Patent No.: US 6,241,760 B1 (45) Date of Patent: Jun. 5, 2001

| (54) | INTRAVA | SCULAR STENT | |
|------|------------|--|----------------|
| (75) | Inventor: | G. David Jang, 30725 Eastburn La., Redlands, CA (US) 02374 | |
| (73) | Assignee: | G. David Jang, Redlands, CA (US) | |
| (*) | Notice: | Subject to any disclaimer, the term of this patent is extended or adjusted under 35 U.S.C. 154(b) by 0 days. | 1 |
| (21) | Appl. No.: | 08/824,142 | (|
| (22) | Filed: | Mar. 25, 1997 |) 9 19 |
| (60) | | ated U.S. Application Data application No. 60/017,484, filed on Apr. 26, | * |
| (52) | U.S. Cl | A61F 2/06 623/1.12; 623/1.15; 623/1.2 earch 623/1.16, 1.2; 600/36; 606/191-200 | # () & |
| (56) | | References Cited | A |
| | U.S | S. PATENT DOCUMENTS | fc |
| : | 5,449,373 | 4/1992 Palmaz . 9/1995 Pinchasik et al | ez pi ne |

Onh et al. .

1/1997 Klein . 12/1997 Fischell et al. .

5/1998 Al-Saadon

5,591,197 5,593,442 5,695,516

5.697,971 5,713,949 *

5,733,303 * 5,755,776 *

1/1997

| 5,755,781 | ŧ | 5/1998 | Jayaraman | 623/1 |
|-----------|---|--------|----------------|-------|
| 5,776,161 | | 7/1998 | Globerman . | |
| 5,776,181 | 4 | 7/1998 | Lee et al. | 623/1 |
| 5,776,183 | | 7/1998 | Koncsake et al | |
| 5,807,404 | * | 9/1998 | Richter | 623/1 |
| | | | | |

FOREIGN PATENT DOCUMENTS

| 4303181 A1 | 8/1994 | (DE) A61M/29/00 |
|--------------|---------|-----------------|
| 29608037 UI | | (DE) A61M/29/00 |
| D 587 197 A1 | | (EP) A61F/2/04 |
| 0 679 372 A2 | | (EP) |
| 0 709 067 A2 | | (BP) |
| WO 96/03092 | | (WO) |
| WO 96/26689 | | (WO) A61F/2/06 |
| WO 97/40780 | 11/1997 | (WO) |
| WO 97/40781 | 11/1997 | (VD) |

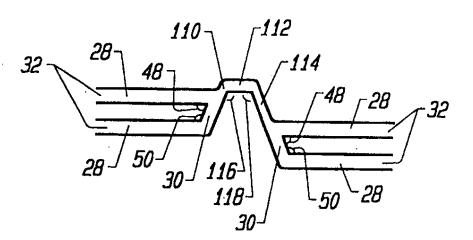
cited by examiner

Primary Examiner—Dinh X. Nguyen (74) Attorney, Agent, or Firm—Wilson, Sonsini, Guodrich & Rosati

ABSTRACT

A stent in a non-expanded state has a first column expansion strut pair. A plurality of the first column expansion strut pair form a first expansion column. A plurality of second column expansion strut pair form a second expansion column. A plurality of first serial connecting struts form a first connecting strut column that couples the first expansion column to the to the second expansion column. The first expansion column, the second expansion column, and the first conneeting strut column form a plurality of geometric cells. At least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells.

26 Claims, 14 Drawing Sheets

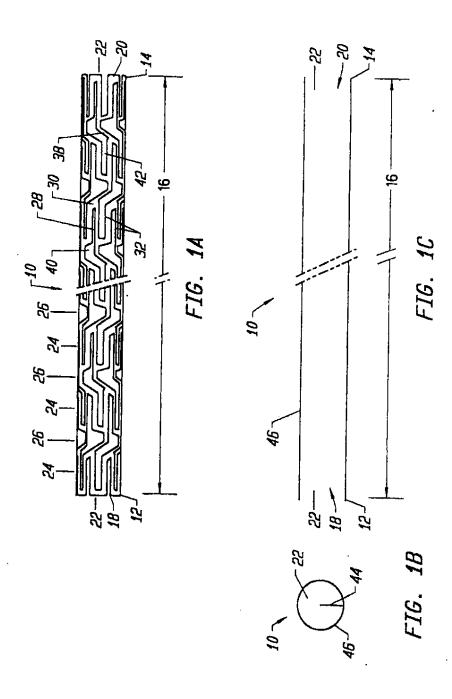


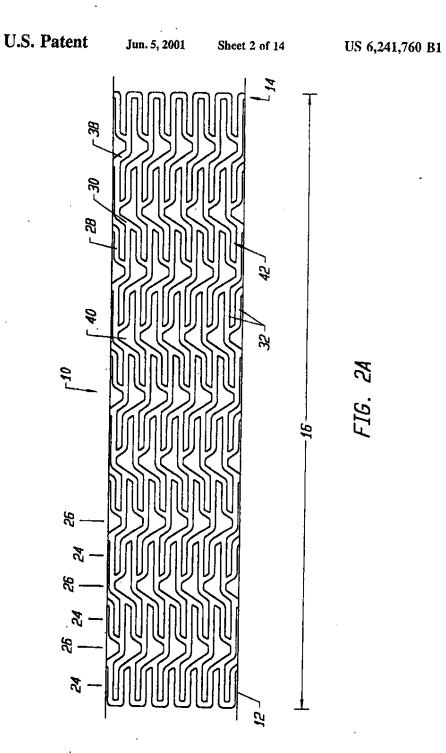
...... 623/! 606/198

U.S. Patent

Jun. 5, 2001 Sheet 1 of 14

US 6,241,760 B1

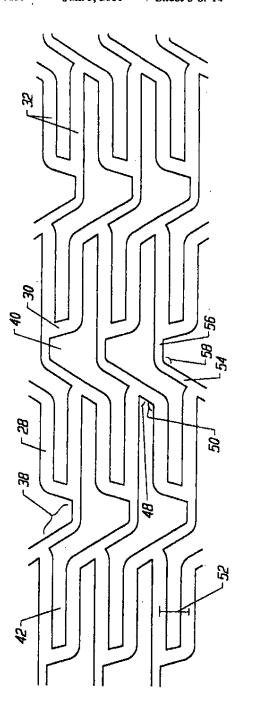




U.S. Patent Jun. 5, 2001

. Sheet 3 of 14

US 6,241,760 B1

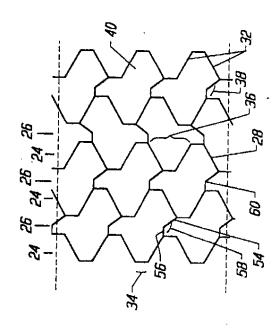


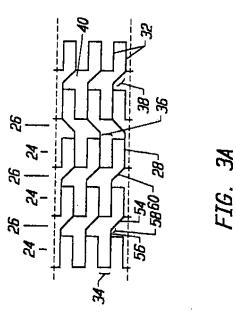
U.S. Patent

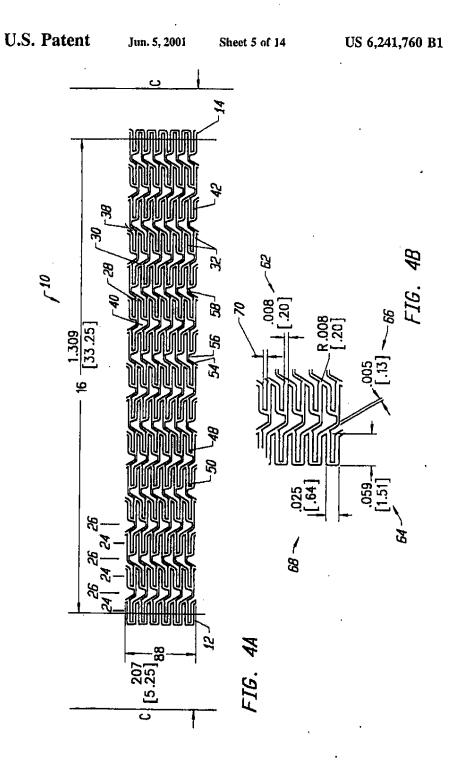
Jun. 5, 2001

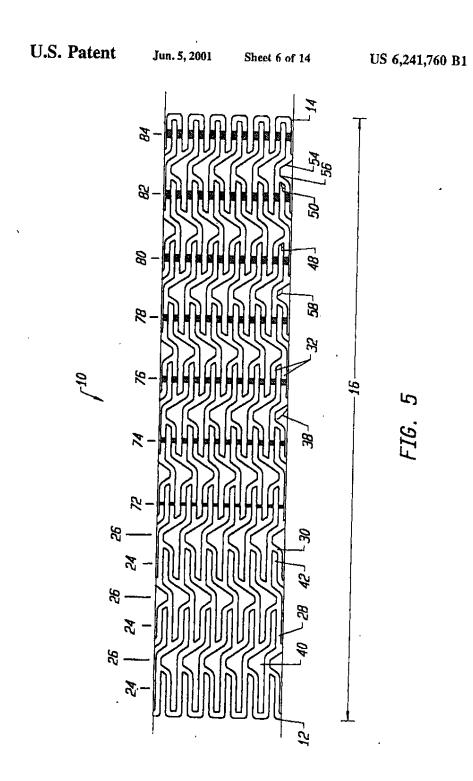
Sheet 4 of 14

US 6,241,760 B1







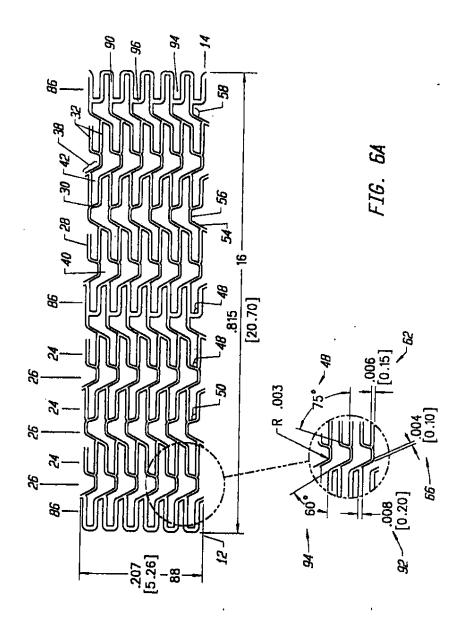


U.S. Patent

Jun. 5, 2001

Sheet 7 of 14

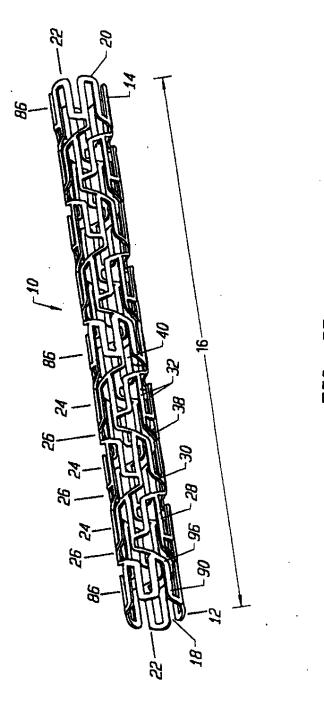
US 6,241,760 B1

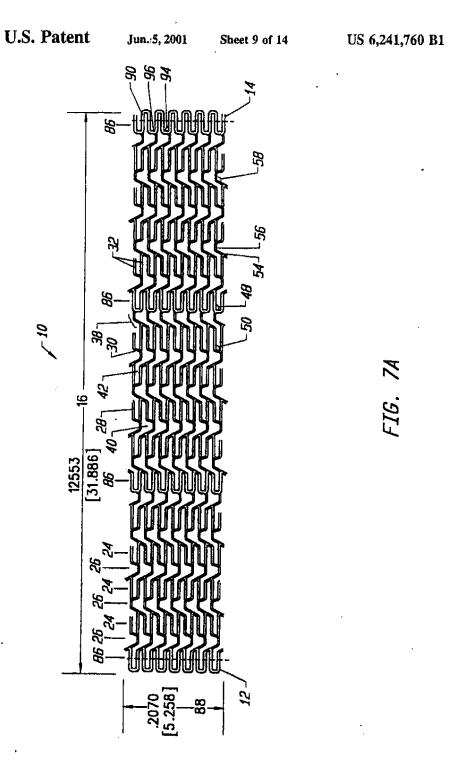


U.S. Patent

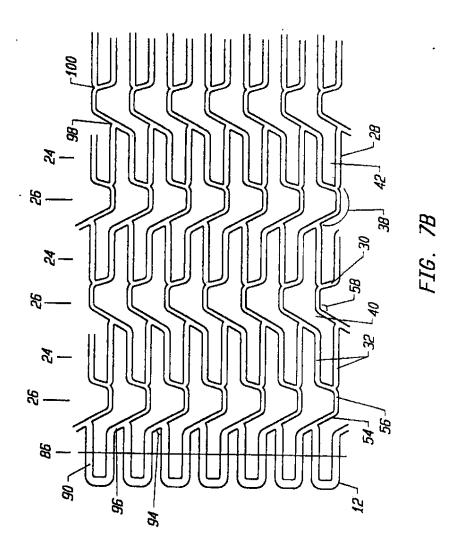
Jun. 5, 2001

Sheet 8 of 14 US 6,241,760 B1

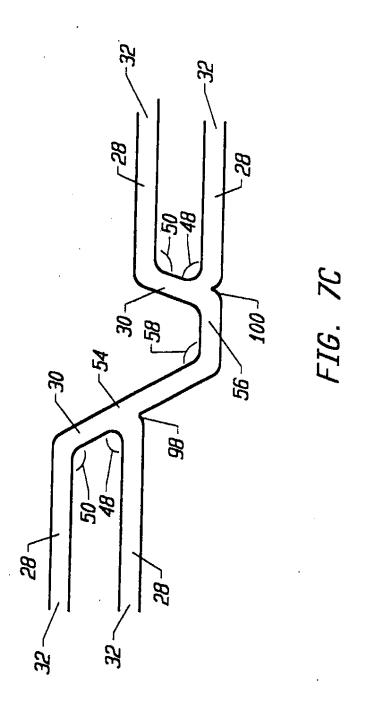




U.S. Patent Jun. 5, 2001 Sheet 10 of 14 US 6,241,760 B1



U.S. Patent Jun. 5, 2001 Sheet 11 of 14 US 6,241,760 B1

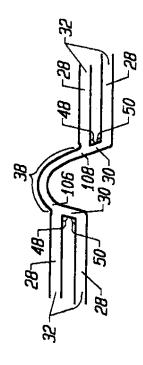


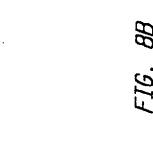
U.S. Patent

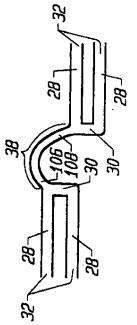
Jun. 5, 2001

Sheet 12 of 14

US 6,241,760 B1





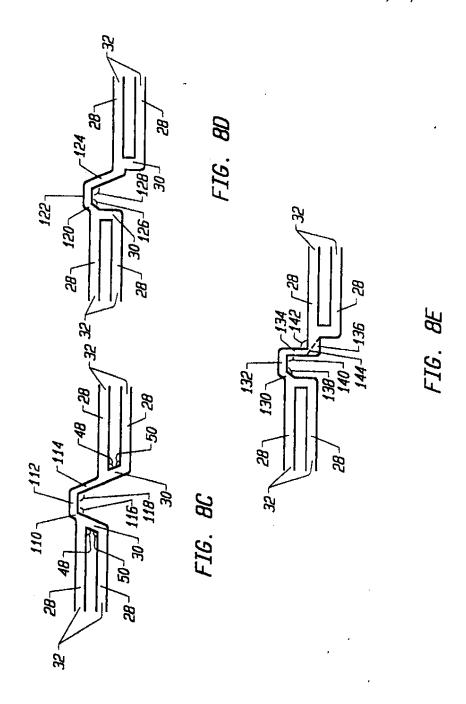


U.S. Patent

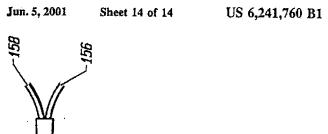
Jun. 5, 2001

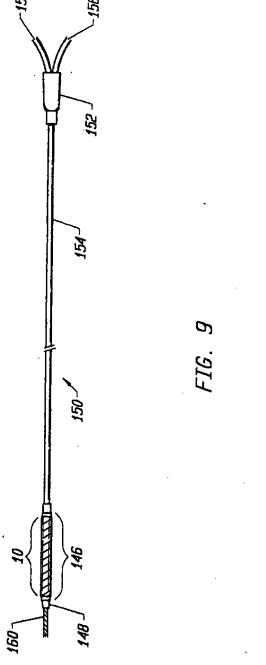
Sheet 13 of 14

US 6,241,760 B1



U.S. Patent





1

INTRAVASCULAR STENT

CROSS-REFERENCE TO RELATED APPLICATIONS

This application claims the benefit of Provisional Patent Application No. 60/017,484, filed Apr. 26, 1996, the disclosure of which is incorporated by reference. This application is related to U.S. patent application Ser. No. 08/824,866, filed Mar. 26, 1997, entitled "Intravascular Stent", pending and U.S. patent application Ser. No. 08/824,865, filed Mar. 25, 1997, entitled "Intravascular Stent", pending both having same named inventor G. David Jang and incorporated by reference.

BACKGROUND OF THE INVENTION

1. Field of the Invention

This invention relates to intravascular stents, and more particularly to an intravascular stent which provides easy introduction through tortuous sections of vessels.

2. Description of the Related Art

Angioplasty, either coronary or general vascular, has advanced to become the most effective means for revascularization of stenosed vessels. In the early 1980's, angioplasty first became available for elinical practice in the coronary artery, and has since proven an effective alterative to conventional bypass graft surgery. Balloon catheter dependent angioplasty has consistently proven to be the most reliable and practical interventional procedure. Other ancillary technologies such as laser based treatment, or directional or rotational arthrectomy, have proven to be either of limited effectiveness or dependent on balloon angioplasty for completion of the intended procedure. Restenosis following balloon-based angioplasty is the most serious drawback and is especially prevalent in the coronary artery system.

Many regimens have been designed to combat restenosis, with limited success, including laser based treatment and directional or rotational arthrectomy, intravascular stenting, however, noticeably reduces the restenosis rate following angioplasty procedures. The procedure for intravascular stent placement typically involves pre-dilation of the target vessel using balloon angioplasty, followed by deployment of the stent, and expansion of the stent such that the dilated 45 vessel walls are supported from the inside.

The intravascular stent functions as scaffolding for the lumen of a vessel. The scaffolding of the vessel walls by the stent serve to: (a) prevent elastic recoil of the dilated vessel wall, (b) eliminate residual stenosis of the vessel; a common 50 occurrence in balloon angioplasty procedures, (c) maintain the diameter of the stented vessel segment slightly larger than the native unobstructed vessel segments proximal and distal the stented segment and (d) as indicated by the latest clinical data, lower the restenosis rate. Following an angioplasty procedure, the restenosis rate of stented vessels has proven significantly lower than for unstented or otherwise treated vessels; treatments include drug therapy and other methods mentioned previously.

Another benefit of vessel stenting is the potential reduction of emergency bypass surgery arising from angioplasty procedures. Stenting has proven to be effective in some cases for treating impending closure of a vessel during angioplasty. Stenting can also control and stabilize an unstable local intimal tear of a vessel caused by normal 65 conduct during an angioplasty procedure. In some cases, an incomplete or less than optimal dilatation of a vessel lesion 2

with halloon angioplasty can successfully be opened up with a stent implant.

Early in its development, the practice of stenting, especially in coronary arteries, had serious anticoagulation problems. However, anticoagulation techniques have since been developed and are becoming simpler and more effective. Better and easier to use regimens are continuously being introduced, including simple outpatient anticoagulation treatments, resulting in reduced hospital stays for stent patients.

An example of a conventional stent patent is U.S. Pát. No. 5,102,417 (hereafter the Palmaz Patent). The stent described in the Palmaz Patent consists of a series of clongated tubular members having a plurality of slots disposed substantially parallel to the longitudinal axis of the tubular members. The tubular members are connected by at least one flexible connector member.

The unexpanded tubular members of the Palmaz Patent are overly rigid so that practical application is limited to short lengths. Even with implementation of the multilink design with flexible connector members connecting a scries of tubular members, longer stents can not navigate tormous blood vessels. Furthermore, the rigidity of the unexpanded stent increases the risk of damaging vessels during insertion. Foreshortening of the stent during insertion complicates accurate placement of the stent and reduces the area that can be covered by the expanded stent. There is, further, no method of programming the stent diameter along its longitudinal axis to achieve a tapered expanded stent, and no method of reenforcement of stent ends or other regions is provided for.

Another example of a conventional stent patent is WO 96/03092, the Brun patent. The stent described in the Brun patent is formed of a tube having a patterned shape, which has first and second meander patterns. The even and odd first meander patterns are 180 degrees out of phase, with the odd patterns occurring between every two even patterns. The second meander patterns run perpendicular to the first meander patterns, along the axis of the tube.

Adjacent first meander patterns are connected by second meander patterns to form a generally uniform distributed pattern. The symmetrical arrangement with first and second meander patterns having sharp right angled bends allows for catching and snagging on the vessel wall during delivery. Furthermore, the large convolutions in the second meander pattern are not fully straightened out during expansion reducing rigidity and structural strength of the expanded stent. There is, further, no method of programming the stent diameter along its longitudinal axis to achieve a tapering stent design, and no method of reenforcement of stent ends or other regions is provided for.

These and other conventional stent designs suffer in varying degrees from a variety of drawbacks including: (a) inability to negotiate bends in vessels due to columnar rigidity of the unexpanded stent; (b) lack of structural strength, radial and axial lateral, of the unexpanded stent; (c) significant foreshortening of the stent during expansion: (d) limited stent length; (e) constant expanded stent diameter; (f) poor crimping characteristics; and (g) rough surface modulation of the unexpanded stent.

There is a need for a stent with sufficient longitudinal flexibility in the unexpanded state to allow for navigation through tortuous vessels. There is a further need for a stent that is structurally strong in the unexpanded state such that risk of damage or distortion during delivery is minimal. A further need exists for a stent that maintains substantially the

same longitudinal length during expansion to allow greater coverage at the target site and simplify proper placement of the stent. Yet a further need exists for a stent design with sufficient longitudinal flexibility that long stents of up to 100 mm can be safely delivered through tortuous vessels. There 5 is a need for a stent that is configured to expand to variable diameters along its length, such that a taper can be achieved in the expanded stent to match the natural taper of the target vessel. A need exists for a stent which, (i) can be crimped tightly on the expansion balloon while maintaining a low to profile and flexibility, (ii) has a smooth surface modulation when crimped over a delivery balloon, to prevent catching and snagging of the stent on the vessel wall during delivery or (iii) with reenforcment rings on the ends or middle or both vessel walls of the target blood vessel.

IARY OF THE INVENTION

Accordingly an object of the present invention is to provide a scaffold for an interior lumen of a vessel.

Another object of the invention is to provide a stent which prevents recoil of the vessel following angioplasty.

A further object of the invention is to provide a stent that maintains a larger vessel lumen compared to the results obtained only with balloon angioplasty.

Yet another object of the invention is to provide a stent that reduces foreshortening of a stent length when expanded.

Another object of the invention is to provide a stent with increased flexibility when delivered to a selected site in a 30 embodiment of FIG. 7A. vessel.

A further object of the invention is to provide a stent with a low profile when crimped over a delivery balloon of a stent assembly.

with reduced tupeling of the vessel wall,

Another object of the invention is to provide a chain mesh stent that reduces vessel "hang up" in a tortuous vessel or a vessel with curvature.

These and other objects of the invention are achieved in a stent in a non-expanded state with a first column expansion strut pair. A plurality of the first column expansion strut pair form a first expansion column. A plurality of second column expansion strut pair form a second expansion column. A plurality of first serial connecting struts form a first connecting strut column that couples the first expansion column to the second expansion column. The first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column form a plurality of geometric cells. At least a portion of the plurality are asymmetrical geometric 50

In another embodiment, at least a portion of the first connecting atruts include a proximal section, a distal section a first linear section and a first slant angle.

In yet another embodiment, a first expansion strut in the first expansion column is circumferentially offset from a corresponding second expansion strut in the second expansion column.

BRIEF DESCRIPTION OF THE DRAWINGS

FIG. 1A is a side elevation view of the pre-expansion mode of an embodiment of the stent of the present invention;

FIG. 1B is a cross sectional view of an embodiment of the stent of the present invention;

FIG. IC is a longitudinal cross sectional view of an embodiment of the stent of the present invention;

FIG. 2A is a scale drawing of the strut pattern of an embodiment of the stent of the present invention.

FIG. 2B is an expanded view of a section of the pattern of FIG. 2A.

FIG. 3A is a schematic illustration of a the pre-expansion mode of an embodiment of the stent of the present invention.

FIG. 3B is a schematic illustration of the post-expansion mode of an embodiment of the stent of the present invention.

FIG. 4A is a scale drawing including dimensions of an embodiment of the stent of the present invention.

FIG. 4B is an enlarged section of the scale drawing of FIG. 4A.

FIG. 5 is a scale drawing of an embodiment of the stent to keep the ends of the stent securely positioned against the 15 of the present invention with a tapered diameter in its post-expansion mode.

> FIG. 6A is a scale drawing of an embodiment of the stent of the present invention with reenforcment expansion columas.

FIG. 6B is a perspective view of the embodiment of FIG. 6A

FIG. 7A is a scale drawing of an embodiment of the stent of the present invention including relief notches at strut joints to increase flexibility of the joints.

FIG. 7B is an enlarged region of the embodiment of FiG.

FIG. 7C is an enlarged view of a single connecting strut joining two expansion strut pairs in accordance with the

FIG. 8A is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accordance with the present invention.

FIG. 8B is a drawing of an alternate geometry of con-Yet a further object of the invention is to provide a stent 35 necting struts and joining struts in accordance with the present invention.

FIG. 8C is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accordance with the present invention.

FIG. 8D is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accordance with the present invention

FIG. 8E is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accordance with the present invention.

FIG. 9 is a delivery balloon catheter, illustrating a method of deliver of a stent in accord with the present invention.

DETAILED DESCRIPTION

A first embodiment of the present invention is shown in FIGS. 1A, 1B, 1C, 2A and 2B, Referring to FIG. 1A, an elongate hollow tubular stent 10 in an unexpanded state is shown. A proximal end 12 and a distal end 14 define a longitudinal length 16 of stent 10. The longitudinal length 16 of the stent 10 can be as long as 100 mm or longer. A proximal opening 18 and a distal opening 20 connect to an inner lumen 22 of stent 10. Stent 10 can be a single piece, without any seams or welding joints or may include multiple

Stent 10 is constructed of two to fifty or more expansion columns or rings 24 connected together by interspersed connecting strut columns 26. The first column on the proximal end 12 and the last column on the distal end 14 of stent 10 are expansion columns 24.

Expansion columns 24 are formed from a series of expansion struts 28, and joining struts 30. Expansion struts 28 are thin elongate members arranged so that they extend at least in part in the direction of the longitudinal axis of stent 10. When an outward external force is applied to stent 10 from the inside by an expansion balloon or other means, expansion struts 28 are reoriented such that they extend in a more circumferential direction, i.e. along the surface of cyllindrical stent 10 and perpendicular to its longitudinal axis. Reorientation of expansion struts 28 causes stent 10 to have an expanded circumference and diameter. In FIG. 1A, expansion struts 28 of unexpanded stent 10 are seen to extend substantially parallel to the longitudinal axis of stent 10.

Expansion struts 28 are joined together by joining struts 30 to form a plurality of expansion strut pairs 32. Expansion strut pairs have a closed end 34 and an open end 36. Additional joining struts 30 join together expansion struts 28 of adjacent expansion strut pairs 32, such that expansion struts 28 are joined alternately at their proximal and distal ends to adjacent expansion struts 28 to form expansion columns 24. Each expansion column 24 contains a plurality, typically eight to twenty, twenty to sixty, or larger of 20 expansion struts 28.

Connecting struts 38 connect adjacent expansion columns 24 forming a series of interspersed connecting strut columns 26 each extending around the circumference of stent 10. 26 each connecting strut 38 joins a pair of expansion struts 28 in an expansion column 24 to an adjacent pair of expansion struts 28 in an adjacent expansion column 24. For stent 10 of FIG. 1A, the ratio of expansion struts 28 in an expansion column 24 to connecting struts 38 in a connecting strut column 26 is two to one; however, this ratio in general can be x to 1 where x is greater or less than two. Furthermore, since the stent 10 of FIG. 1A begins with an expansion column 24 on the proximal end 12 and ends with an expansion column 24 on the distal end 14, if there are n expansion columns 24 with m expansion struts 28 per column, there will be m-1 connecting strut columns 26, and n(m-1)/2 connecting struts 38.

The reduced number of connecting struts 38 in each connecting strut column 26, as compared to expansion struts 28 in each expansion column 24, allows stent 10 to be 40 longitudinally flexibility. Longitudinal flexibility can be further increased by using a narrow width connecting strut, providing additional flexibility and suppleness to the stent as it is navigated around turns in a natural blood vessel.

At least a portion of the open spaces between struts in 45 stent 10 form asymmetrical cell spaces 40. A cell space is an empty region on the surface of stent 10, completed surrounded by one or a combination of stent struts, including expansion struts 28, connecting struts 38, or joining struts 30. Asymmetrical cell spaces 40 are cell spaces which have no geometrical symmetry i.e. no rotation, reflection, combination rotation and reflection or other symmetry.

Asymmetrical cell spaces 40 in FIG. 1 A are surrounded by a first expansion strut pair 32 in a first expansion column 24, a first connecting strut 38, a second expansion strut pair 52 in an adjacent expansion column 24, a first joining strut 30, a second connecting strut 38, and a second joining strut 30. Furthermore, expansion strut pairs 32 of asymmetrical cell space 40 may be circumferentially offset i.e. have longitudinal axes that are not collinear and have their open 60 ends 36 facing each other. The space between two expansion struts of an expansion strut pair 32 is known as a loop stot 42.

FIG. 1B shows inner lumen 22, radius 44 and stent wall 46 of stent 10. Stent wall 46 consists of stent struts including 65 expansion struts 28, connecting struts 38 and joining struts 30.

FIG. 1C shows, proximal end 12, distal end 14, longitudinal length 16, inner lumen 22, and stent wall 46 of stent 10, liner lumen 22 is surrounded by stent wall 46 which forms the cyllindrical surface of stent 10.

Referring now to FIGS. 2A and 2B, joining struts 30 of stent 10 are seen to extend at an angle to the expansion struts 28, forming a narrow angle 48 with one expansion strut 28 in an expansion strut pair 32 and a wide angle 50 with the other expansion strut 28 of an expansion strut pair 32. Narrow angle 48 is less than ninety degrees, while wide angle 50 is greater than ninety degrees. Joining struts 30 extend both longitudinally along the longitudinal axis of stent 10 and circumferentially, along the surface of the stent 10 perpendicular its longitudinal axis.

Expansion strut spacing 52 between adjacent expansion struts 28 in a given expansion column 24 are uniform in stent 10 of FIGS. 2A and 2B; however, non-uniform spacings can also be used. Expansion strut spacings 52 can be varied, for example, spacings 52 between adjacent expansion struts 28 in an expansion column 24 can alternate between a narrow and a wide spacing. Additionally, spacings 52 in a single expansion column 24 can differ from other spacings 52 in other columns 24.

It is noted that varying expansion strut spacings 52 which form the loop slots 42 results in variable loop slot widths. Furthermore, the longitudinal axis of the loop slots 42 need not be collinear or even parallel with the longitudinal axis of loop slots 42 of an adjacent expansion column 24. FIGS. 2A and 2B show an arrangement of expansion struts 28 such that collinear, parallel adjacent loop slots 42 are formed, but non-collinear and non-parallel loop slots 42 can also be used.

Additionally the shape of loop slots 42 need not be the same among loop slots of a single or multiple expansion columns 24. The shape a loop slots 42 can be altered by changing the orientation or physical dimensions of the expansion struts 28 and/or joining struts 30 which connect expansion struts 28 of expansion strut pairs 32 defining the boundaries of loop slots 42.

Connecting struts 38 couple adjacent expansion columns 24, by connecting the distal end of an expansion strut pair in one expansion column 24 to the proximal end of an adjacent expansion strut pair 32 in a second expansion column 24. Connecting struts 38 of FIGS. 2A and 2B are formed from two linear sections, a first linear section 54 heing joined at its distal end to a second linear section 56 at its proximal end to form a first slant angle 58.

The first linear section 54 of a connecting strut 38 is joined to expansion strut 28 at the point where joining strut 30 makes narrow angle 48 with expansion strut 28. First linear section 54 extends substantially collinear to joining strut 30 continuing the line of joining strut 30 into the space between expansion columns 24. The distal end of the first linear section 54 is joined to the proximal end of the second linear section 56 forming slant angle 58. Second linear section 56 extends substantially parallel to expansion struts 28 connecting at its distal end to joining strut 30 in an adjacent expansion column 24. The distal end of second linear section 56 attaches to expansion strut 28 at the point where joining strut 30 makes narrow angle 48 with expansion strut 28. Further, joining strut 30 can have a second slant angle with a width that can be the same or different from the width of the first slant angle.

FIGS. 2A and 2B show connecting struts 38 and joining struts 30 slanted relative to the longitudinal axis of stent 10, with the circumferential direction of the slanted struts alterFIG. 3A and 3B show a schematic illustration of a stent design according to the present invention in an unexpanded and expanded state respectively. The design is depicted as a flat projection, as if stent 10 were cut lengthwise parallel to its longitudinal axis and flattened out. The connecting struts 38 consist of first and second linear sections 54 and 56 forming slant angle 58 at pivot point 60. An asymmetrical cell space 40 is formed by expansion strut pairs 32, connecting struts 38 and joining struts 30. Multiple interlocking asymmetrical cell spaces 40 make up the design pattern.

As the stent is expanded, see FIG. 3B, the expansion strut pairs 32 spread apart at their open ends 36, shortening the length of expansion struts 28 along the longitudinal axis of the cylindrical stent. The longitudinal shortening of expansion struts 28 during expansion is countered by the longitudinal lengthening of connecting struts 38. The widening of slant angle 58 during expansion straightens connecting struts 38 and lengthens the distance between the coupled expansion strut pairs 32. The lengthening of the distance between coupled expansion strut pairs 32 substantially compensates for the longitudinal shortening of expansion struts 28. Thus, the stent has substantially constant unexpanded and expanded longitudinal lengths.

When the stent is expanded, each expansion column 24 becomes circumferentially stretched, enlarging the space between struts. The interlinking of expansion columns 24 by connecting struts 38 that have been straightened through the expansion process gives the stent 10 a high radial support strength. The entire stent 10 when expanded is untitized into a continuous chain mesh of stretched expansion columns 24 and connecting strut columns 26 forming an asymmetrical interlocking cell geometry which resists collapse both axially and radially. When the stent is expanded it has increased rigidity and fatigue tolerance.

In addition, efficient bending and straightening of connecting struts 38 at pivot points 60 allows increased longitudinal flexibility of the stent. For the stent to bend longitudinally, at least some of connecting struts 38 are forced to bend in their tangent plane. The tangent plane of a specific connecting strut 38 refers to the plane substantially tangent to the cyllindrical surface of the stent at that connecting strut 38. The width of connecting struts 38 is typically two to four, or more times the thickness, which makes connecting struts 38 relatively inflexible when bending in their tangent plane. However, pivot points 60 in connecting struts 38 provide connecting struts 38 a flexible joint about which to more easily bend increasing longitudinal flexibility of the stent.

Referring to FIGS. 4A and 4B, a variation of the first 65 embodiment of stent 10 of the present invention is shown. In this variation, stent 10 has a length 16 of 33.25 mm and an

uncrimped and unexpanded circumference 88 of 5.26 mm. Fifteen expansion columns 24 are interspersed with consists of twelve expansion struts 28 joined alternately at their proximal and distal ends by joining struts 30 forming six expansion strut pairs 32. Expansion struts 28 are aligned parallel to the longitudinal axis of cylindrical stent 10. Joining struts 30 form a narrow angle 48 and a wide angle 50 with the respective expansion struts 28 of expansion strut pairs 32. Adjacent expansion columns 24 employ alternating circumferential slant directions of joining struts 30.

In this variation of the first embodiment, expansion strut width 62 is 0.20 mm, expansion strut length 64 is 1.51 mm, and connecting strut width 66 is 0.13 mm. Distance 68 from the outer edge of a first expansion strut 28 to the outer edge of a second adjacent expansion strut 28 in the same expansion column 24 is 0.64 mm, leaving a loop slot width 70 of 0.24 mm.

In this variation of the first embodiment, connecting struts 38 consist of a slanted first linear section 54 joined to a second linear section 56 at a slant angle 58. First linear section 54 is slightly longer than second linear section 56 and is attached at its proximal end to an expansion strut 28 in an expansion column 24. The attachment of the proximal end of first linear section 54 to expansion strut 28 is at the point where joining strut 30 makes narrow angle 48 with expansion strut 28. First linear section 54 extends substantially collinear to joining strut 30 attaching at its distal end to the proximal end of second linear section 56 to form slant angle 58. Second linear section 56 extends substantially collinear to expansion struts 28, attaching at its distal end to an expansion strut 28 in an adjacent expansion column 24. The attachment occurs at the point where expansion strut 28 forms narrow angle 48 with joining strut 30. Joining struts 30 and connecting strut first linear sections 54 slant in alternating circumferential directions from column to adjacent column

The joining of connecting struts 38 and expansion struts 28 at the point where narrow angle 48 is formed aids smooth delivery of stent 10 by streamlining the surface of the unexpanded stent and minimizing possible catching points. Bare delivery of stent 10 to the target lesion in a vessel will thus result in minimal snagging or catching as it is navigated through turns and curvatures in the vessel. Stent 10 behaves like a flexible, tubular sled as it is moved forward or backward in the vessel on the delivery catheter, sliding through tortuous vessels and over irregular bumps caused by atherosclerotic plaques inside the vessel lumen.

When fully expanded Stent 10 of FIGS. 4A and 4B has an internal diameter of up to 5.0 mm, while maintaining an acceptable radial strength and fatigue tolerance. The crimped stent outer diameter can be as small as 1.0 mm or less depending on the condition of the underlying delivery balloon profile; A small crimped outer diameter is especially important if stent delivery is to be attempted without prediction of the target site. When the stent is optimally crimped over the delivery halloon, the surface of the crimped stent is smooth allowing for no snagging of the stent struts during either forward or backward movement through a vessel.

FIG. 5 shows a second embodiment of the present invention in which the stent 10 in its expanded form has a gradual taper from proximal end 12 to distal end 14. The shaded segments 72, 74, 76, 78, 80, 82 and 84 of expansion struts 28 represent regions of expansion struts 28 to be removed. Removal of the shaded segments 72, 74, 76, 78, 80, 82 and

Another way achieve a tapered expanded stent is to change the stiffness of the stent struts, expansion struts, connecting struts or joining struts such that the stiffness of the struts varies along the length of the stent. The stiffness of the struts can be changed by altering length, width or thickness, adding additional stiffening material, using a chemical or mechanical means to alter the physical properties of the stent material, or applying one or a series of elastic elements about the stent.

Along with the use of a tapered diameter steat, a matching astapered balloon catheter would ideally be made for delivery and deployment of the tapered diameter steat. The method of using a tapered matching balloon catheter with a tapered diameter steat is within the scope of the present invention.

Using a tapered balloon to expand a non-tapered stent will also achieve a tapered expanded stent; however, since no metal is removed from the stent, the stent is tapered as a result of incomplete expansion. The stent will therefore have increased metal fraction at the tapered end resulting in increased risk of acute thrombosis. Metal fraction is the proportion of the surface of the expanded stent covered by the stent strut material. Shortening the expansion struts as shown in FIG. 5 allows for a tapered expanded stent with substantially constant metal fraction along its length.

A third embodiment of the present invention shown in 50 FIGS. 6A and 6B has multiple reenforcement expansion columns 86 placed along the length of the stent 10. The reenforcement columns 86 are placed along the stent length to provide additional localized radial strength and rigidity to stent 10. Additional strength and rigidity are especially important at the ends of the stent to prevent deformation of the stent both during delivery and after placement. During delivery the stent ends can catch on the vessel wall possibly deforming the unexpanded stent and altering its expansion characteristics. After the stent has been placed it is important that the stent ends are rigid so that they set firmly against the vessel wall; otherwise, during a subsequent catheter procedure, the catheter or guidewire can catch on the stent ends pulling the stent away from the vessel wall and possibly damaging and/or blocking the vessel.

The specific variation of the third embodiment of stent 10 depicted in FIGS, 6A and 6B has a length 16 of 20.70 mm

and an uncrimped and unexpanded circumference 88 of 5.26 mm. The stent 10 consists of six expansion columns 24 and three reenforcement expansion columns 86, each consisting respectively of twelve expansion struts 28 or reenforcement expansion struts 90. The reenforcement expansion columns 86 are positioned one at either end, and one along the length of the stent 10.

10

The expansion strut width 62 is 0.15 mm, reenforcement expansion strut width 92 is 0.20 mm, and the connecting strut width 66 is 0.10 mm. The narrow angle 48 formed by joining strut 30 and expansion strut 28 is 75 degrees, and the narrow angle 94 formed by reenforcement joining strut 96 and reenforcement expansion strut 90 is 60 degrees.

Other arrangements of reenforcement expansion columns 86, such as providing reenforcement expansion columns 86 only on the ends of the stent, only on one end, or at multiple locations throughout the length of the stent can also be used and fall within the scope of the present invention. A taper can also be programmed into the reenforced stent 10 by shortening expansion struts 28 and reenforcement expansion struts 90 in appropriate expansion columns 24 and 86.

A fourth embodiment of the present invention, shown in the FIGS. 7A, 7B and 7C, is similar to the third embodiment but has the added feature of relief notches 98 and 100. A relief notch is a notch where metal has been removed from a strut, usually at a joint where multiple struts are connected. Relief notches increase flexibility of a strut or joint by creating a thinned, narrow region along the strut or joint. Relief notch 98 is formed at the joint formed between first linear section 54 of connecting strut 38 and expansion strut 28. Relief notch 100 is formed at the joint between second linear section 56 of connecting strut 38 and expansion strut 28. The positioning of the relief notches gives added flexibility to the unexpanded stent. Relief notches can be placed at other joints and can be included in any of the previously mentioned embodiments.

FIGS. 8A, 8B, 8C, 8D and 8E illustrates some examples of alternate connecting strut designs which can be used in any of the previously discussed embodiments. FIG. 8A shows a rounded loop connecting strut 38 which joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30. Joining struts 30 are slanted such as to form a narrow angle 48 and a wide angle 50 with the expansion struts 28 they connect. The rounded loop connecting strut 38 connects expansion struts 28 at the point where narrow angle is formed between expansion strut 28 and joining strut 30. The slopes of the rounded connecting strut 38 at its proximal end 102 and distal end 104 substantially match the slopes of the joining struts 30 connecting the pairs of expansion struts 28. The rounded loop connecting strut 38 thus blends smoothly into the joining struts 30. Additionally the rounded loop connecting strut 38 has a first radius of curvature 106 and a second radius of curvature 108.

In the design of FIG. 8B a rounded loop connecting strut 38 joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each 60 expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30. Joining struts 30 are at right angles to the expansion strut 28 they connect. The rounded loop connecting strut 38 connects to expansion struts 28 at the same point as joining struts 30. The rounded connecting strut 38 has a first radius 65 of curvature 106 and a second radius of curvature 108 such that it connects circumferentially offset expansion strut pairs 32.

US 6,241,760 B1

11

In the design of FIG. 8C connecting strut 38 joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30. Joining struts 30 are slanted such as to form a narrow angle 48 and a wide angle 50 with the expansion struts 28 they connect. The connecting strut 38 connects expansion struts 28 at the point where narrow angle 48 is formed between expansion strut 28 and joining strut 30.

The connecting strut 38 is made up of three linear sections 110, 112, and 114 forming two slant angles 116 and 118. The proximal end of section 110 is attached to expansion strut 28 at the point where joining strut 30 forms narrow angle 48 with expansion strut 28. Section 110 extends substantially collinear to joining strut 30 and is attached at its distal end to section 112 forming slant angle 116. Section 112 extends at an angle to section 110 such that section 112 is substantially parallel to expansion struts 28 and is connected at its distal end to the proximal end of section 114 forming slant angle 118. Section 114 extends at an angle such that it is substantially collinear to joining strut 30 of the adjacent expansion strut pair 32. Section 114 attaches at its distal end to expansion strut 28 of the adjacent expansion strut pair 32, at the point where joining strut 30 forms narrow angle 48 with expansion strut 28.

In the design of FIGS. 8D and 8E a connecting strut 38 joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30 Joining struts 30 are at right angles to the expansion struts 28 they connect. The connecting strut 38 connects to expansion struts 28 at the same point as joining struts 30.

The connecting struts 38 of FIGS. 8D and 8E are made up of multiple connecting strut sections connected end to end to form a jagged connecting strut 38 with multiple slant angles, coupling expansion strut pair 32 to adjacent expansion strut pair 32. The connecting strut of FIG. 8D is made up of three connecting strut sections 120, 122, and 124 with two slant angles 126 and 128, while the connecting strut of FIG. 8E consists of four connecting strut sections 130, 132, 134, and 136 with three slant angles 138, 140 and 142. In addition, the connecting strut section 134 can be modified by replacing connecting strut section 136 by the dotted connecting strut section 144 to give another possible geometry of connecting struts.

One skilled in the art will recognize that there are many possible arrangements of connecting struts and joining struts consistent with the present invention; the above examples are not intended to be an exhaustive list.

The stent of the present invention is ideally suited for application in coronary vessels although versatility in the stent design allows for applications in non-coronary vessels, the aorta, and nonvascular hibular body organs.

Typical coronary vascular stents have expanded diameters 55 that range from 2.5 to 5.0 mm. However, a stent with high radial strength and fatigue tolerance that expands to a 5.0 mm diameter may have unacceptably high stent metal fraction when used in smaller diameter vessels. If the stent metal fraction is high, the chances of acute thrombosis and 60 restenosis potential will increase. Even with the same metal fraction a smaller caliber vessel is more likely than a larger one to have a high rate of thrombosis. It is, therefore, preferred to have at least two different categories of stents for coronary application, for example, small vessels stents for use in vessels with diameters from 2.5 mm to 3.0 mm, and large vessel stents for use in vessels with diameters from

3.0 mm to 5.0 mm. Thus, both small vessels and large vessels when treated with the appropriate sized stent will contain stents of similar idealized metal fraction.

The stent of the present invention can be made using a CAM-driven laser cutting system to cut the stent pattern from a stainless steel rube. The rough-cut stent is preferably electro-polished to remove surface imperfections and sharp edges. Other methods of fabricating the stent can also be used such as EDM, photo-electric etching technology, or other methods. Any suitable material can be used for the stent including other metals and polymers so long as they provide the essential structural strength, flexibility, biocompatibility and expandability.

The stent is typically at least partially plated with a radiopaque metal, such as gold, platinum, tantalum or other suitable metal. It is preferred to plate oaly both ends of the stent by localized plating; however, the entire stent or other regions can also be plated. When plating both ends, one to three or more expansion columns on each end of the stent are plated to mark the ends of the stent so they can be identified under fluoroscopy during the stenting procedure. By plating the stent oaly at the ends, interference of the radiopaque plating material with performance characteristics or surface modulation of the stent frame is minimized. Additionally the amount of plating material required is reduced, lowering the material cost of the stent.

After plating, the stent is cleaned, typically with detergent, saline and ultrasonic means that are well-known in the art. The stents are then inspected for quality control, assembled with the delivery balloon catheter, and properly packaged, labeled, and sterilized.

The stent can be marketed as stand alone or as a pre-mounted delivery balloon catheter assembly as shown in FIG. 9. Referring to FIG. 9, the stent 10 is crimped over a folded balloon 146 at the distal end 148 of a delivery balloon catheter assembly 150. The assembly 150 includes a proximal end adapter 152, a catheter shaft 154, a balloon channel 156, a guidewire channel 158, a balloon 146, and a guidewire 169. Balloon 146 can be tapered, curved, or both tapered and from a proximal end to a distal end in the expanded state. Additionally stent 10 can be non-tapered or tapered in the expanded state.

Typically the guidewire 160 is inserted into the vein or artery and advanced to the target site. The catheter shaft 154 is then forwarded over the guidewire. 160 to position the stent 10 and balloon 146 into position at the target site. Once in position the balloon 146 is inflated through the balloon channel 156 to expand the stent 10 from a crimped to an expanded state. In the expanded state, the stent 10 provides the desired scaffolding support to the vessel. Once the stent 10 has been expanded, the balloon 146 is deflated and the catheter shaft 154, balloon 146, and guidewire 160 are withdrawn from the patient.

The stent of the present invention can be made as short as less than 10 mm in length or as long as 100 mm or more. If long stents are to be used, however, matching length delivery catheter balloons will typically be needed to expand the stents into their deployed positions. Long stents, depending on the target vessel, may require curved long balloons for deployment. Curved balloons which match the natural curve of a blood vessel reduce stress on the blood vessel during stent deployment. This is especially important in many coronary applications which involve stenting in curved coronary vessels. The use of such curved balloons is within the scope of the present invention.

The foregoing description of a preferred embodiment of the invention has been presented for purposes of illustration and description. It is not intended to be exhaustive or to limit the invention to the precise forms disclosed. Obviously, many modifications and variations will be apparent to practitioners skilled in this art. It is intended that the scope of the invention be defined by the following claims and their sequivalents.

What is claimed is:

- 1. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a second expansion strut that is 10 parallel to the first expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the first column expansion strut pair forming a 15 first expansion column;
- a second column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts heing coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the second column expansion strut pair forming a second expansion column; and
- plurality of first serial connecting struts forming a first connecting strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column, a first connecting strut in the first connecting strut column including multiple linear sections with at least one of the linear sections being substantially parallel to at least one of the first expansion strut or the second expansion strut of the first expansion strut column; and
- wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells.
- The stent of claim 1, wherein the first column expansion strut pair defines a first column loop slot, and the second column expansion strut pair defines a second column loop slot.
- 3. The stent of claim 2, wherein the first column loop slot is parallel to the second column loop slot.
 - 4. A stent in a non-expanded state, comprising:
 - a first column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a second expansion strut that is parallel to the first expansion strut he first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the first column expansion strut pair forming a first expansion column;
 - a second column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, 55 the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the second column expansion strut pair forming a second expansion 60 column, and
 - a plurality of first serial connecting struts forming a first connecting strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column, a first connecting strut 65 in the first connecting strut column including multiple linear sections; and

14

- wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting struct column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells, and
- wherein the first column expansion strut pair defines a first column loop stot, and the second column expansion strut pair defines a second column loop slot, the first column loop slot being non-collinear to the second column loop slot.
- 5. The stent of claim 2, wherein a first column loop slot width is the same as a second column loop slot width.
 - 6. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a second expansion strut that is parallel to the first expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the first column expansion strut pair forming a first expansion column;
- a second column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the second column expansion strut pair forming a second expansion column: and
- a plurality of first serial connecting struts forming a first connecting strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column, a first connecting strut in the first connecting strut column including multiple linear sections; and
- wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells, and
- wherein the first column expansion strut pair defines a first column loop slot, and the second column expansion strut pair defines a second column loop slot, the first column loop slot shape being different than a second column loop slot shape.
- 7. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a second expansion strut that is parallel to the first expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the first column expansion strut pair forming a first expansion column;
- a second column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a nonperpendicular angle, a plurality of the second column expansion strut pair forming a second expansion column; and
- a plurality of first serial connecting struts forming a first connecting strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column, a first connecting strut in the first connecting strut column including multiple linear sections; and

wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells, and

15

- wherein a first distance between the first expansion struct of the first expansion column struct pair is different than a second distance between a first expansion struct and a second expansion struct of an adjacent first expansion column struct pair in the first expansion column.
- 8. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a second expansion strut that is parallel to the first expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the first column expansion strut pair forming a first expansion column;
- a second column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the second culumn expansion strut pair forming a second expansion column; and
- a plurality of first serial connecting struts forming a first connecting strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column, a first connecting strut in the first connecting strut column including multiple linear sections; and
- wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells, and
- wherein a first distance between the first expansion strut and the second expansion strut of the second column 40 expansion strut pair is different than a second distance between a first expansion strut and a second expansion strut of an adjacent second column expansion strut pair in the second expansion column.
- 9. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a second expansion strut that is parallel to the first expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a phrality of the first column expansion strut pair forming a first expansion column;
- a second column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, 55 the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the second column expansion strut pair forming a second expansion column; and
- a plurality of first serial connecting struts forming a first connecting strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column, a first connecting strut as in the first connecting strut column including multiple linear sections; and

- wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells;
- wherein the first column expansion strut pair defines a first column loop slot, and the second column expansion strut pair defines a second column loop slot, and
- wherein a spacing distance between the first expansion column strut pair and an adjacent expansion column strut pair in the first expansion column, and a spacing distance between the second column expansion strut pair and an adjacent second column are different pair in the second expansion column are different.
- 10. The stent of claim 1, wherein at least a portion of the first connecting struts have first linear sections coupled to joining struts of first expansion strut pairs, second linear sections coupled to joining struts of second expansion strut pairs and third linear sections coupling the first and second linear sections.
- The stent of claim 1, wherein the stent further includes a radiopaque marker.
- 12. The stent of claim 1, wherein the stent includes an electroplated material.
- 13. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first expansion column formed of a plurality of pairs of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being compled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle;
- a second expansion column formed of a plurality of pairs of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle;
- a first connecting strut column formed of a plurality of first connecting struts, a first connecting strut in the first connecting strut column including a plurality of linear sections, including a linear section in the plurality of linear sections being substantially parallel to at least one of the pairs of the first expansion strut and the second expansion strut in the first expansion column, wherein the first connecting strut column couples the first expansion column to the second expansion column and includes a first slant angle formed between two of the multiple linear sections.
- 14. The stent of claim 1, further comprising:
- a second connecting strut column formed of a plurality of second connecting struts.
- 15. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first expansion column formed of a plurality of pairs of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle;
- a second expansion column formed of a plurality of pairs of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle;
- a first connecting strut column formed of a plurality of first connecting struts, the first connecting struts including multiple linear sections, wherein the first connect-

ing strut column couples the first expansion column to the second expansion column and a first expansion strut in the first expansion column is circumferentially offset from a corresponding second expansion strut of the second expansion column.

- 16. The stent of claim 15, further comprising:
- a plurality of first expansion columns;
- a plurality of second expansion columns; and
- a plurality of first connecting strut columns, each first connecting strut column coupling a first expansion column to a second expansion column.
- 17. The stent of claim 15, further comprising:
- a third expansion column formed of a plurality of third expansion struts; and
- a second connecting strut column formed of a plurality of second connecting struts coupling the second expansion column, to the third expansion column, wherein at least a portion of the second expansion struts in the second column are circumferentially offset from a 20 corresponding portion of the third expansion struts of the third expansion column.

18. The stent of claim 17, wherein at least a portion of the second connecting struts include a proximal section coupled to a distal section of a second expansion strut, a distal section 2s coupled to a proximal section of a corresponding third expansion strut, a first linear section between the proximal and distal sections and a strut angle.

- 19. The stent of claim 17, wherein a ratio of a number of expansion struts in an expansion strut column to a number 30 of connecting struts in a connecting strut column is 2 to 1.
- 20. The stent of claim 17, wherein the stent includes m first, second and third expansion columns, n expansion struts per column and n (m-1)/2 first and second connecting struts.
- 21. The stent of claim 17, wherein the portion of the 35 second connecting struts including a stant angle have a second linear section coupled to the first linear section and the third slant angle is formed between the first and second linear sections.
- 22. The stent of claim 18, wherein the portion of the 40 second connecting struts including the slant angle have a second linear section coupled to the first linear section of the second connecting strut and the slant angle is formed between the first and second linear sections.
- 23. The stent of claim 22, wherein each slant angle of the 45 second connecting struts is directed in a second circumferential direction that is in an opposite direction of a first circumferential direction of a slant angle of the first connecting struts.
 - 24. The stent of claim 18, further comprising:
- a radiopaque marker coupled to the stent.
- 25. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a second expansion strut that is parallel to the first expansion strut, the first and second

expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle, a plurality of the first column expansion strut pair forming a first expansion column;

18

- a second column expansion strut pair formed of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a nonperpendicular angle, a plurality of the second column expansion strut pair forming a second expansion column; and
- a plurality of first serial connecting struts forming a first connecting strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column, a first connecting strut in the first connecting strut column including multiple linear sections, the multiple linear sections including a first section that is vertical or includes at least a first section having a first slope a second section having a second slope, and a third section that is substantially parallel to at least one of the first expansion strut or the second expansion strut of the first expansion strut column; and
 - wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells.
- 26. A stent in a non-expanded state, comprising:
- a first expansion column formed of a plurality of pairs of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angie;
- a second expansion column formed of a plurality of pairs of a first expansion strut and a parallel second expansion strut, the first and second expansion struts being coupled by a substantially linear joining strut that is joined to each of the first and second expansion struts at a non-perpendicular angle;
- a first connecting strut column formed of a plurality of first connecting struts, a first connecting strut in the first connecting strut column including at least a first section that is either vertical or has a slope with a first vertical component, and a second section that has a slope with a second vertical component, wherein the first connecting strut column couples the first expansion column to the second expansion column and a first expansion strut in the first expansion column is circumferentially offset from a corresponding second expansion strut of the second expansion column.

* * * * *

EXHIBIT 1

PATENT APPLICATION SERIAL NO.

U.S. DEPARTMENT OF COMMERCE PATENT AND TRADEMARK OFFICE FEE RECORD SHEET

Adjustment Date: 04/24/1998/SBLIZZAR Ne/Nb: 08824142 DAN: 232415 04/23/1997 320AH 0003203401 FC:101 1958.00 C

A top the control of the same

DBBEHIHE DBES97

5

INTRAVASCULAR STENT

ABSTRACT

A stent in a non-expanded state has a first column expansion strut pair. A plurality of the first column expansion strut pair form a first expansion column. A plurality of second column expansion strut pair form a second expansion column. A plurality of first serial connecting struts form a first connecting strut column that couples the first expansion column to the second expansion column. The first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column form a plurality of geometric cells. At least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells.

♦ 20

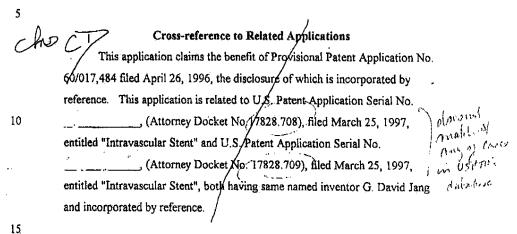
25

30

Attorney Docket No. 17828.707

Intravascular Stent

Inventor: G. David Jang



BACKGROUND OF THE INVENTION

Field of the Invention:

This invention relates to intravascular stents, and more particularly to an intravascular stent which provides easy introduction through tortious sections of vessels.

Description of the Related Art:

Angioplasty, either coronary or general vascular, has advanced to become the most effective means for revascularization of stenosed vessels. In the early 1980's, angioplasty first became available for clinical practice in the coronary artery, and has since proven an effective alterative to conventional bypass graft surgery. Balloon catheter dependent angioplasty has consistently proven to be the most reliable and practical interventional procedure. Other ancillary technologies such as laser based treatment, or directional or rotational arthrectomy, have proven to be either of limited effectiveness or dependent on balloon angioplasty for completion of the intended procedure. Restenosis

5

10

15

20

25

following balloon-based angioplasty is the most serious drawback and is especially prevalent in the coronary artery system.

Many regimens have been designed to combat restenosis, with limited success, including laser based treatment and directional or rotational arthrectomy. Intravascular stenting, however, noticeably reduces the restenosis rate following angioplasty procedures. The procedure for intravascular stent placement typically involves pre-dilation of the target vessel using balloon angioplasty, followed by deployment of the stent, and expansion of the stent such that the dilated vessel walls are supported from the inside.

The intravascular stent functions as scaffolding for the lumen of a vessel. The scaffolding of the vessel walls by the stent serve to: (a) prevent elastic recoil of the dilated vessel wall, (b) eliminate residual stenosis of the vessel; a common occurrence in balloon angioplasty procedures. maintain the diameter of the stented vessel segment slightly larger than the native unobstructed vessel segments proximal and distal the stented segment and (d) as indicated by the latest clinical data, lower the restenosis rate. Following an angioplasty procedure, the restenosis rate of stented vessels has proven significantly lower than for unstented or otherwise treated vessels; treatments include drug therapy and other methods mentioned previously.

Another benefit of vessel stenting is the potential reduction of emergency bypass surgery arising from angioplasty procedures. Stenting has proven to be effective in some cases for treating impending closure of a vessel during angioplasty. Stenting can also control and stabilize an unstable local intimal tear of a vessel caused by normal conduct during an angioplasty procedure. In some cases, an incomplete or less than optimal dilatation of a vessel lesion with balloon angioplasty can successfully be opened up with a stent implant.

Early in its development, the practice of stenting, especially in coronary arteries, had serious anticoagulation problems. However, anticoagulation techniques have since been developed and are becoming simpler and more effective. Better and easier to use regimens are continuously being introduced,

9/4/88

30

10

15

20

25

including simple outpatient anticoagulation treatments, resulting in reduced hospital stays for stent patients.

An example of a conventional stent patent is US 5,102,417 (hereafter the Palmaz Patent). The stent described in the Palmaz Patent consists of a series of elongated tubular members having a plurality of slots disposed substantially parallel to the longitudinal axis of the tubular members. The tubular members are connected by at least one flexible connector member.

The unexpanded tubular members of the Palmaz Patent are overly rigid, so that practical application is limited to short lengths. Even with implementation of the multilink design with flexible connector members connecting a series of tubular members, longer stents can not navigate tortuous blood vessels. Furthermore, the rigidity of the unexpanded stent increases the risk of damaging vessels during insertion. Foreshortening of the stent during insertion complicates accurate placement of the stent and reduces the area that can be covered by the expanded stent. There is, further, no method of programming the stent diameter along its longitudinal axis to achieve a tapered expanded stent, and no method of reenforcement of stent ends or other regions is provided for.

Another example of a conventional stent patent is WO 96/03092, the Brun patent. The stent described in the Brun patent is formed of a tube having a patterned shape, which has first and second meander patterns. The even and odd first meander patterns are 180 degrees out of phase, with the odd patterns occurring between every two even patterns. The second meander patterns run perpendicular to the first meander patterns, along the axis of the tube.

Adjacent first meander patterns are connected by second meander patterns to form a generally uniform distributed pattern. The symmetrical arrangement with first and second meander patterns having sharp right angled bends allows for catching and snagging on the vessel wall during delivery. Furthermore, the large convolutions in the second meander pattern are not fully straightened out during expansion reducing rigidity and structural strength of the expanded stent. There is, further, no method of programming the stent diameter

75th

5

10

15

20

25

30

along its longitudinal axis to achieve a tapering stent design, and no method of reenforcement of stent ends or other regions is provided for.

These and other conventional stent designs suffer in varying degrees from a variety of drawbacks including: (a) inability to negotiate bends in vessels due to columnar rigidity of the unexpanded stent; (b) lack of structural strength, radial and axial lateral, of the unexpanded stent; significant foreshortening of the stent during expansion; (d) limited stent length; (e) constant expanded stent diameter; (f) poor crimping characteristics; and (g) rough surface modulation of the unexpanded stent.

There is a need for a stent with sufficient longitudinal flexibility in the unexpanded state to allow for navigation through tortuous vessels. There is a further need for a stent that is structurally strong in the unexpanded state such that risk of damage or distortion during delivery is minimal. A further need exists for a stent that maintains substantially the same longitudinal length during expansion to allow greater coverage at the target site and simplify proper placement of the stent. Yet a further need exists for a stent design with sufficient longitudinal flexibility that long stents of up to 100 mm can be safely delivered through tortuous vessels. There is a need for a stent that is configured to expand to variable diameters along its length, such that a taper can be achieved in the expanded stent to match the natural taper of the target vessel. A need exists for a stent which, (i) can be crimped tightly on the expansion balloon while maintaining a low profile and flexibility, (ii) has a smooth surface modulation when crimped over a delivery balloon, to prevent catching and snagging of the stent on the vessel wall during delivery or (iii) with reenforcment rings on the ends or middle or both to keep the ends of the stent securely positioned against the vessel walls of the target blood vessel.

SUMMARY OF THE INVENTION

Accordingly an object of the present invention is to provide a scaffold for an interior lumen of a vessel.

Filed 05/18/2007

5

10

15 %

54

Another object of the invention is to provide a stent which prevents recoil of the vessel following angioplasty.

A further object of the invention is to provide a stent that maintains a larger vessel lumen compared to the results obtained only with balloon angioplasty.

Yet another object of the invention is to provide a stent that reduces foreshortening of a stent length when expanded.

Another object of the invention is to provide a stent with increased flexibility when delivered to a selected site in a vessel.

A further object of the invention is to provide a stent with a low profile when crimped over a delivery balloon of a stent assembly.

Yet a further object of the invention is to provide a stent with reduced tupeling of the vessel wall.

Another object of the invention is to provide a chain mesh stent that reduces vessel "hang up" in a tertious vessel or a vessel with curvature.

These and other objects of the invention are achieved in a stent in a nonexpanded state with a first column expansion strut pair. A plurality of the first column expansion strut pair form a first expansion column. A plurality of second column expansion strut pair form a second expansion column. A plurality of first serial connecting struts form a first connecting strut column that couples the first expansion column to the second expansion column. The first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column form a plurality of geometric cells. At least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells.

In another embodiment, at least a portion of the first connecting struts include a proximal section, a distal section a first linear section and a first slant angle.

Ly yet another embodiment, a first expansion strut in the first expansion column is circumferentially offset from a corresponding second expansion strut of the second expansion column.

25

20

30

þ

10

15

20

25

30

17

BRIEF DESCRIPTION OF THE DRAWINGS

Fig. 1A is a side elevation view of the pre-expansion mode of an embodiment of the stent of the present invention;

Fig. 1B is a cross sectional view of an embodiment of the stent of the present invention:

Fig. 1C is a longitudinal cross sectional view of an embodiment of the stent of the present invention;

Fig. 2A is a scale drawing of the strut pattern of an embodiment of the stent of the present invention.

Fig. 2B is an expanded view of a section of the pattern of Figure 2A.

Fig. 3A is a schematic illustration of a the pre-expansion mode of an embodiment of the stent of the present invention.

Fig. 3B is a schematic illustration of the post-expansion mode of an embodiment of the stent of the present invention.

Fig. 4A is a scale drawing including dimensions of an embodiment of the stent of the present invention.

Fig. 4B is an enlarged section of the scale drawing of Figure 4A.

Fig. 5 is a scale drawing of an embodiment of the stent of the present invention with a tapered diameter in its post-expansion mode.

Fig. 6A is a scale drawing of an embodiment of the stent of the present invention with reenforcment expansion columns.

Fig. 6B is a perspective view of the embodiment of Figure 6A.

Fig. 7A is a scale drawing of an embodiment of the stent of the present invention including relief notches at strut joints to increase flexibility of the joints.

Fig. 7B is an enlarged region of the embodiment of Figure 7A.

Fig. 7C is an enlarged view of a single connecting strut joining two expansion strut pairs in accordance with the embodiment of Figure 7A.

Fig. 8A is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accordawith the present invention.

De~

10

15,

20

25

30

-

- 1

Fig. 8B is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accord with the present invention.

Fig. 8C is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accordant the present invention.

Fig. 8D is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accord with the present invention.

Fig. 8E is a drawing of an alternate geometry of connecting struts and joining struts in accord with the present invention.

Fig. 9 is a delivery balloon catheter, illustrating a method of deliver of a stent in accord with the present invention.

DETAILED DESCRIPTION

A first embodiment of the present invention is shown in Figures 1A, 1B, 1C, 2A and 2B. Referring to Figure 1A, an elongate hollow tubular stent 10 in an unexpanded state is shown. A proximal end 12 and a distal end 14 define a longitudinal length 16 of stent 10. The longitudinal length 16 of the stent 10 can be as long as 100 mm or longer. A proximal opening 18 and a distal opening 20 connect to an inner lumen 22 of stent 10. Stent 10 can be a single piece, without any seams or welding joints or may include multiple pieces.

Stent 10 is constructed of two to fifty or more expansion columns or rings 24 connected together by interspersed connecting strut columns 26. The first column on the proximal end 12 and the last column on the distal end 14 of stent 10 are expansion columns 24.

Expansion columns 24 are formed from a series of expansion struts 28, and joining struts 30. Expansion struts 28 are thin elongate members arranged so that they extend at least in part in the direction of the longitudinal axis of stent 10. When an outward external force is applied to stent 10 from the inside by an expansion balloon or other means, expansion struts 28 are reoriented such that they extend in a more circumferential direction, i.e along the surface of cyllindrical stent 10 and perpendicular to its longitudinal axis. Reorientation of expansion struts 28 causes stent 10 to have an expanded circumference and

10

15

20

• • •

diameter. In Figure 1A, expansion struts 28 of unexpanded stent 10 are seen to extend substantially parallel to the longitudinal axis of stent 10.

Expansion struts 28 are joined together by joining struts 30 to form a plurality of expansion strut pairs 32. Expansion strut pairs have a closed end 34 and an open end 36. Additional joining struts 30 join together expansion struts 28 of adjacent expansion strut pairs 32, such that expansion struts 28 are joined alternately at their proximal and distal ends to adjacent expansion struts 28 to form expansion columns 24. Each expansion column 24 contains a plurality, typically eight to twenty, twenty to sixty, or larger of expansion struts 28.

Connecting struts 38 connect adjacent expansion columns 24 forming a series of interspersed connecting strut columns 26 each extending around the circumference of stent 10. Each connecting strut 38 joins a pair of expansion struts 28 in an expansion column 24 to an adjacent pair of expansion struts 28 in an adjacent expansion column 24. For stent 10 of Figure 1A, the ratio of expansion struts 28 in an expansion column 24 to connecting struts 38 in a connecting strut column 26 is two to one; however, this ratio in general can be x to 1 where x is greater or less than two. Furthermore, since the stent 10 of Figure 1A begins with an expansion column 24 on the proximal end 12 and ends with an expansion column 24 on the distal end 14, if there are n expansion columns 24 with m expansion struts 28 per column, there will be m-1 connecting strut columns 26, and n(m-1)/2 connecting struts 38.

The reduced number of connecting struts 38 in each connecting strut column 26, as compared to expansion struts 28 in each expansion column 24, allows stent 10 to be longitudinally flexibility. Longitudinal flexibility can be further increased by using a narrow width connecting strut, providing additional flexibility and suppleness to the stent as it is navigated around turns in a natural blood vessel.

At least a portion of the open spaces between struts in stent 10 form asymmetrical cell spaces 40. A cell space is an empty region on the surface of stent 10, completed surrounded by one or a combination of stent struts, including expansion struts 28, connecting struts 38, or joining struts 30.

30

10

15

20

25

30

71

Asymmetrical cell spaces 40 are cell spaces which have no geometrical symmetry i.e. no rotation, reflection, combination rotation and reflection or other symmetry.

Asymmetrical cell spaces 40 in Figure 1A are surrounded by a first expansion strut pair 32 in a first expansion column 24, a first connecting strut 38, a second expansion strut pair 32 in an adjacent expansion column 24, a first joining strut 30, a second connecting strut 38, and a second joining strut 30. Furthermore, expansion strut pairs 32 of asymmetrical cell space 40 may be circumferentially offset i.e. have longitudinal axes that are not collinear and have their open ends 36 facing each other. The space between two expansion struts of an expansion strut pair 32 is known as a loop slot 42.

Figure 1B shows inner lumen 22, radius 44 and stent wall 46 of stent 10. Stent wall 46 consists of stent struts including expansion struts 28, connecting struts 38 and joining struts 30.

Figure 1C shows, proximal end 12, distal end 14, longitudinal length 16, inner lumen 22, and stent wall 46 of stent 10. Inner lumen 22 is surrounded by stent wall 46 which forms the cyllindrical surface of stent 10.

Referring now to Figures 2A and 2B, joining struts 30 of stent 10 are seen to extend at an angle to the expansion struts 28, forming a narrow angle 48 with one expansion strut 28 in an expansion strut pair 32 and a wide angle 50 with the other expansion strut 28 of an expansion strut pair 32. Narrow angle 48 is less than ninety degrees, while wide angle 50 is greater than ninety degrees. Joining struts 30 extend both longitudinally along the longitudinal axis of stent 10 and circumferentially, along the surface of the stent 10 perpendicular its longitudinal axis.

Expansion strut spacing 52 between adjacent expansion struts 28 in a given expansion column 24 are uniform in stent 10 of Figures 2A and 2B; however, non-uniform spacings can also be used. Expansion strut spacings 52 can be varied, for example, spacings 52 between adjacent expansion struts 28 in an expansion column 24 can alternate between a narrow and a wide spacing.

10

15

20

25

30

- |

Additionally, spacings 52 in a single expansion column 24 can differ from other spacings 52 in other columns 24.

It is noted that varying expansion strut spacings 52 which form the loop slots 42 results in variable loop slot widths. Furthermore, the longitudinal axis of the loop slots 42 need not be collinear or even parallel with the longitudinal axis of loop slots 42 of an adjacent expansion column 24. Figures 2A and 2B show an arrangement of expansion struts 28 such that collinear, parallel adjacent loop slots 42 are formed, but non-collinear and non-parallel loop slots 42 can also be used.

Additionally the shape of loop slots 42 need not be the same among loop slots of a single or multiple expansion columns 24. The shape a loop slots 42 can be altered by changing the orientation or physical dimensions of the expansion struts 28 and/or joining struts 30 which connect expansion struts 28 of expansion strut pairs 32 defining the boundaries of loop slots 42.

Connecting struts 38 couple adjacent expansion columns 24, by connecting the distal end of an expansion strut pair in one expansion column 24 to the proximal end of an adjacent expansion strut pair 32 in a second expansion column 24. Connecting struts 38 of Figures 2A and 2B are formed from two linear sections, a first linear section 54 being joined at its distal end to a second linear section 56 at its proximal end to form a first slant angle 58.

The first linear section 54 of a connecting strut 38 is joined to expansion strut 28 at the point where joining strut 30 makes narrow angle 48 with expansion strut 28. First linear section 54 extends substantially collinear to joining strut 30 continuing the line of joining strut 30 into the space between expansion columns 24. The distal end of the first linear section 54 is joined to the proximal end of the second linear section 56 forming slant angle 58. Second linear section 56 extends substantially parallel to expansion struts 28 connecting at its distal end to joining strut 30 in an adjacent expansion column 24. The distal end of second linear section 56 attaches to expansion strut 28 at the point where joining strut 30 makes narrow angle 48 with expansion strut 28. Further,

10

15

20

25

30

joining strut 30 can have a second slant angle with a width that can be the same or different from the width of the first slant angle.

Figures 2A and 2B show connecting struts 38 and joining struts 30 slanted relative to the longitudinal axis of stent 10, with the circumferential direction of the slanted struts alternating from column to adjacent column. Circumferential direction refers to the handedness with which the slanted struts wind about the surface of the stent 10. The circumferential direction of the slant of connecting strut first linear sections 54 in a connecting strut column 26 is opposite the circumferential direction of the slant of connecting strut first linear sections 54 in an adjacent connecting strut column 26. Similarly, the circumferential direction of the slant of joining struts 30 in an expansion column 24 is opposite the circumferential direction of the slant of joining struts 30 in an adjacent expansion column 24. Alternating circumferential slant directions of connecting struts 38 and joining struts 30 prevents axial warping of stent 10 during deliver and expansion. Other non-alternating slant direction patterns can also be used for connecting struts 38 or joining struts 30 or both.

Figure 3A and 3B show a schematic illustration of a stent design according to the present invention in an unexpanded and expanded state respectively. The design is depicted as a flat projection, as if stent 10 were cut lengthwise parallel to its longitudinal axis and flattened out. The connecting struts 38 consist of first and second linear sections 54 and 56 forming slant angle 58 at pivot point 60. An asymmetrical cell space 40 is formed by expansion strut pairs 32, connecting struts 38 and joining struts 30. Multiple interlocking asymmetrical cell spaces 40 make up the design pattern.

As the stent is expanded, see Figure 3B, the expansion strut pairs 32 spread apart at their open ends 36, shortening the length of expansion struts 28 along the longitudinal axis of the cylindrical stent. The longitudinal shortening of expansion struts 28 during expansion is countered by the longitudinal lengthening of connecting struts 38. The widening of slant angle 58 during expansion straightens connecting struts 38 and lengthens the distance between the coupled expansion strut pairs 32. The lengthening of the distance between

Case 1:05-cv-00768-SLR

5

10

15

20

25

30

coupled expansion strut pairs 32 substantially compensates for the longitudinal shortening of expansion struts 28. Thus, the stent has substantially constant unexpanded and expanded longitudinal lengths.

When the stent is expanded, each expansion column 24 becomes circumferentially stretched, enlarging the space between struts. The interlinking of expansion columns 24 by connecting struts 38 that have been straightened through the expansion process gives the stent 10 a high radial support strength. The entire stent 10 when expanded is unitized into a continuous chain mesh of. stretched expansion columns 24 and connecting strut columns 26 forming an asymmetrical interlocking cell geometry which resists collapse both axially and radially. When the stent is expanded it has increased rigidity and fatigue tolerance.

In addition, efficient bending and straightening of connecting struts 38 at pivot points 60 allows increased longitudinal flexibility of the stent. For the stent to bend longitudinally, at least some of connecting struts 38 are forced to bend in their tangent plane. The tangent plane of a specific connecting strut 38 refers to the plane substantially tangent to the cyllindrical surface of the stent at that connecting strut 38. The width of connecting struts 38 is typically two to four, or more times the thickness, which makes connecting struts 38 relatively inflexible when bending in their tangent plane. However, pivot points 60 in connecting struts 38 provide connecting struts 38 a flexible joint about which to more easily bend increasing longitudinal flexibility of the stent.

Referring to Figures 4A and 4B, a variation of the first embodiment of stent 10 of the present invention is shown. In this variation, stent 10 has a length 16 of 33.25 mm and an uncrimped and unexpanded circumference 88 of 5.26 mm. Fifteen expansion columns 24 are interspersed with connecting strut columns 26. Each expansion column 24 consists of twelve expansion struts 28 ioined alternately at their proximal and distal ends by joining struts 30 forming six expansion strut pairs 32. Expansion struts 28 are aligned parallel to the longitudinal axis of cylindrical stent 10. Joining struts 30 form a narrow angle 48 and a wide angle 50 with the respective expansion struts 28 of expansion

10

15

20

25

strut pairs 32. Adjacent expansion columns 24 employ alternating circumferential slant directions of joining struts 30.

In this variation of the first embodiment, expansion strut width 62 is .20 mm, expansion strut length 64 is 1.51 mm, and connecting strut width 66 is .13 mm. Distance 68 from the outer edge of a first expansion strut 28 to the outer edge of a second adjacent expansion strut 28 in the same expansion column 24 is .64 mm, leaving a loop slot width 70 of .24 mm.

In this variation of the first embodiment, connecting struts 38 consist of a slanted first linear section 54 joined to a second linear section 56 at a slant angle 58. First linear section 54 is slightly longer than second linear section 56 and is attached at its proximal end to an expansion strut 28 in an expansion column 24. The attachment of the proximal end of first linear section 54 to expansion strut 28 is at the point where joining strut 30 makes narrow angle 48 with expansion strut 28. First linear section 54 extends substantially collinear to joining strut 30 attaching at its distal end to the proximal end of second linear section 56 to form slant angle 58. Second linear section 56 extends substantially collinear to expansion struts 28, attaching at its distal end to an expansion strut 28 in an adjacent expansion column 24. The attachment occurs at the point where expansion strut 28 forms narrow angle 48 with joining strut 30. Joining struts 30 and connecting strut first linear sections 54 slant in alternating circumferential directions from column to adjacent column.

The joining of connecting struts 38 and expansion struts 28 at the point where narrow angle 48 is formed aids smooth delivery of stent 10 by streamlining the surface of the unexpanded stent and minimizing possible catching points. Bare delivery of stent 10 to the target lesion in a vessel will thus result in minimal snagging or catching as it is navigated through turns and curvatures in the vessel. Stent 10 behaves like a flexible, tubular sled as it is moved forward or backward in the vessel on the delivery catheter, sliding through tortuous vessels and over irregular bumps caused by atherosclerotic plaques inside the vessel lumen.

When fully expanded Stent 10 of Figures 4A and 4B has an internal diameter of up to 5.0 mm, while maintaining an acceptable radial strength and fatigue tolerance. The crimped stent outer diameter can be as small as 1.0 mm or less depending on the condition of the underlying delivery balloon profile; A small crimped outer diameter is especially important if stent delivery is to be attempted without predilation of the target site. When the stent is optimally crimped over the delivery balloon, the surface of the crimped stent is smooth allowing for no snagging of the stent struts during either forward or backward, movement through a vessel.

Figure 5 shows a second embodiment of the present invention in which

the stent 10 in its expanded form has a gradual taper from proximal end 12 to

10

15

20

25

5

distal end 14. The shaded segments 72, 74, 76, 78, 80, 82 and 84 of expansion struts 28 represent regions of expansion struts 28 to be removed. Removal of the shaded segments 72, 74, 76, 78, 80, 82 and 84 provides stent 10 with a gradual taper when expanded with distal end 14 having a smaller expanded diameter than proximal end.12. The degree of shortening of the expanded diameter of the stent 10 at a given expansion column 24 will be proportional to the length of the removed segment 72, 74, 76, 78, 80, 82, or 84 at that expansion column 24. In the expanded stent 10 the shortened expansion struts 28 will have a shortened component along the circumference of the stent resulting in a shortened circumference and diameter. The tapered diameter portion can be positioned anywhere along the length of stent 10, and the tapering can be made more or less gradual by removing appropriately larger or smaller portions of the expansion struts 28 in a given expansion column 24. Tapering is especially important in long stents, longer than 12 mm, since tapering of blood vessels is more pronounced over longer lengths. A long stent with a uniform stent diameter can only be matched to the target vessel diameter over a short region. If the proximal vessel size is matched with the stent diameter, the expanded distal end of the stent will be too large for the natural vessel and may cause an intimal

30

dissection of the distal vessel by stent expansion. On the other hand, if the distal

vessel size is matched with the stent diameter, the proximal end of the expanded

10

15

20

25

C652EQ. 21142880

51

stent will be too small to set inside the vessel lumen. It is therefore desirable to have a stent with a tapered expanded diameter.

Another way achieve a tapered expanded stent is to change the stiffness of the stent struts, expansion struts, connecting struts or joining struts such that the stiffness of the struts varies along the length of the stent. The stiffness of the struts can be changed by altering length, width or thickness, adding additional stiffening material, using a chemical or mechanical means to alter the physical properties of the stent material, or applying one or a series of elastic elements about the stent.

Along with the use of a tapered diameter stent, a matching tapered balloon catheter would ideally be made for delivery and deployment of the tapered diameter stent. The method of using a tapered matching balloon catheter with a tapered diameter stent is within the scope of the present invention.

Using a tapered balloon to expand a non-tapered stent will also achieve a tapered expanded stent; however, since no metal is removed from the stent, the stent is tapered as a result of incomplete expansion. The stent will therefore have increased metal fraction at the tapered end resulting in increased risk of acute thrombosis. Metal fraction is the proportion of the surface of the expanded stent covered by the stent strut material. Shortening the expansion struts as shown in Figure 5 allows for a tapered expanded stent with substantially constant metal fraction along its length.

A third embodiment of the present invention shown in Figures 6A and 6B has multiple reenforcement expansion columns 86 placed along the length of the stent 10. The reenforcement columns 86 are placed along the stent length to provide additional localized radial strength and rigidity to stent 10. Additional strength and rigidity are especially important at the ends of the stent to prevent deformation of the stent both during delivery and after placement. During delivery the stent ends can catch on the vessel wall possibly deforming the unexpanded stent and altering its expansion characteristics. After the stent has been placed it is important that the stent ends are rigid so that they set firmly

3Õ

-~ {

5

10

15.

20

25

30

against the vessel wall; otherwise, during a subsequent catheter procedure, the catheter or guidewire can catch on the stent ends pulling the stent away from the vessel wall and possibly damaging and/or blocking the vessel.

The specific variation of the third embodiment of stent 10 depicted in Figures 6A and 6B has a length 16 of 20.70 mm and an uncrimped and unexpanded circumference 88 of 5.26 mm. The stent 10 consists of six expansion columns 24 and three reenforcement expansion columns 86, each consisting respectively of twelve expansion struts 28 or reenforcement expansion struts 90. The reenforcement expansion columns 86 are positioned one at either end, and one along the length of the stent 10.

The expansion strut width 62 is .15 mm, reenforcement expansion strut width 92 is .20 mm, and the connecting strut width 66 is .10 mm. The narrow angle 48 formed by joining strut 30 and expansion strut 28 is 75 degrees, and the narrow angle 94 formed by reenforcement joining strut 96 and reenforcement expansion strut 90 is 60 degrees.

Other arrangements of reenforcement expansion columns 86, such as providing reenforcement expansion columns 86 only on the ends of the stent, only on one end, or at multiple locations throughout the length of the stent can also be used and fall within the scope of the present invention. A taper can also be programmed into the reenforced stent 10 by shortening expansion struts 28 and reenforcement expansion struts 90 in appropriate expansion columns 24 and 86.

A fourth embodiment of the present invention, shown in the Figures 7A, 7B and 7C, is similar to the third embodiment but has the added feature of relief notches 98 and 100. A relief notch is a notch where metal has been removed from a strut, usually at a joint where multiple struts are connected. Relief notches increase flexibility of a strut or joint by creating a thinned, narrow region along the strut or joint. Relief notch 98 is formed at the joint formed between first linear section 54 of connecting strut 38 and expansion strut 28. Relief notch 100 is formed at the joint between second linear section 56 of connecting strut 38 and expansion strut 28. The positioning of the relief notches gives added

10

15

20

25

08824142.032597

flexibility to the unexpanded stent. Relief notches can be placed at other joints and can be included in any of the previously mentioned embodiments.

Figures 8A, 8B, 8C, 8D and 8E illustrates some examples of alternate connecting strut designs which can be used in any of the previously discussed embodiments. Figure 8A shows a rounded loop connecting strut 38 which joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30. Joining struts 30 are slanted such as to form a narrow angle 48 and a wide angle 50 with the expansion struts 28 they connect. The rounded loop connecting strut 38 connects expansion struts 28 at the point where narrow angle is formed between expansion strut 28 and joining strut 30. The slopes of the rounded connecting strut 38 at its proximal end 102 and distal end 104 substantially match the slopes of the joining struts 30 connecting the pairs of expansion struts 28. The rounded loop connecting strut 38 thus blends smoothly into the joining struts 30. Additionally the rounded loop connecting strut 38 has a first radius of curvature 106 and a second radius of curvature 108.

In the design of Figure 8B a rounded loop connecting strut 38 joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30. Joining struts 30 are at right angles to the expansion struts 28 they connect. The rounded loop connecting strut 38 connects to expansion struts 28 at the same point as joining struts 30. The rounded connecting strut 38 has a first radius of curvature 106 and a second radius of curvature 108 such that it connects circumferentially offset expansion strut pairs 32.

In the design of Figure 8C connecting strut 38 joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30. Joining struts 30 are slanted such as to form a narrow angle 48 and a wide angle 50 with the expansion struts 28 they connect. The connecting strut 38 connects expansion struts 28 at the point where narrow angle 48 is formed between expansion strut 28 and joining strut 30.

30

10

15

20

25

30

The connecting strut 38 is made up of three linear sections 110, 112, and 114 forming two slant angles 116 and 118. The proximal end of section 110 is attached to expansion strut 28 at the point where joining strut 30 forms narrow angle 48 with expansion strut 28. Section 110 extends substantially collinear to joining strut 30 and is attached at its distal end to section 112 forming slant angle 116. Section 112 extends at an angle to section 110 such that section 112 is substantially parallel to expansion struts 28 and is connected at its distal end to the proximal end of section 114 forming slant angle 118. Section 114 extends at an angle such that it is substantially collinear to joining strut 30 of the adjacent expansion strut pair 32. Section 114 attaches at its distal end to expansion strut 28 of the adjacent expansion strut pair 32, at the point where joining strut 30 forms narrow angle 48 with expansion strut 28.

In the design of Figures 8D and 8E a connecting strut 38 joins two circumferentially offset expansion strut pairs 32 in adjacent expansion columns. Expansion struts 28 in each expansion strut pair 32 are joined by a joining strut 30. Joining struts 30 are at right angles to the expansion struts 28 they connect. The connecting strut 38 connects to expansion struts 28 at the same point as joining struts 30.

The connecting struts 38 of Figures 8D and 8E are made up of multiple connecting strut sections connected end to end to form a jagged connecting strut 38 with multiple slant angles, coupling expansion strut pair 32 to adjacent expansion strut pair 32. The connecting strut of Figure 8D is made up of three connecting strut sections 120, 122, and 124 with two slant angles 126 and 128, while the connecting strut of Figure 8E consists of four connecting strut sections 130, 132, 134, and 136 with three slant angles 138, 140 and 142. In addition, the connecting strut section 134 can be modified by replacing connecting strut section 136 by the dotted connecting strut section 144 to give another possible geometry of connecting struts 38.

One skilled in the art will recognize that there are many possible arrangements of connecting struts and joining struts consistent with the present invention; the above examples are not intended to be an exhaustive list.

10

15

20

25

The stent of the present invention is ideally suited for application in coronary vessels although versatility in the stent design allows for applications in non-coronary vessels, the aorta, and nonvascular tubular body organs.

Typical coronary vascular stents have expanded diameters that range from 2.5 to 5.0 mm. However, a stent with high radial strength and fatigue tolerance that expands to a 5.0 mm diameter may have unacceptably high stent metal fraction when used in smaller diameter vessels. If the stent metal fraction is high, the chances of acute thrombosis and restenosis potential will increase. Even with the same metal fraction a smaller caliber vessel is more likely than a larger one to have a high rate of thrombosis. It is, therefore, preferred to have at least two different categories of stents for coronary application, for example, small vessels stents for use in vessels with diameters from 2.5 mm to 3.0 mm, and large vessel stents for use in vessels with diameters from 3.0 mm to 5.0 mm. Thus, both small vessels and large vessels when treated with the appropriate sized stent will contain stents of similar idealized metal fraction.

The stent of the present invention can be made using a CAM-driven laser cutting system to cut the stent pattern from a stainless steel tube. The rough-cut stent is preferably electro-polished to remove surface imperfections and sharp edges. Other methods of fabricating the stent can also be used such as EDM, photo-electric etching technology, or other methods. Any suitable material can be used for the stent including other metals and polymers so long as they provide the essential structural strength, flexibility, biocompatibility and expandability.

The stent is typically at least partially plated with a radiopaque metal, such as gold, platinum, tantalum or other suitable metal. It is preferred to plate only both ends of the stent by localized plating; however, the entire stent or other regions can also be plated. When plating both ends, one to three or more expansion columns on each end of the stent are plated to mark the ends of the stent so they can be identified under fluoroscopy during the stenting procedure. By plating the stent only at the ends, interference of the radiopaque plating material with performance characteristics or surface modulation of the stent

Filed 05/18/2007

5

10

۴

A

15

20

: |

frame is minimized. Additionally the amount of plating material required is reduced, lowering the material cost of the stent.

After plating, the stent is cleaned, typically with detergent, saline and ultrasonic means that are well-known in the art. The stents are then inspected for quality control, assembled with the delivery balloon catheter, and properly packaged, labeled, and sterilized.

The stent can be marketed as stand alone or as a pre-mounted delivery balloon catheter assembly as shown in Figure 9. Referring to Figure 9, the stent 10 is crimped over a folded balloon 146 at the distal end 148 of a delivery balloon catheter assembly 150. The assembly 150 includes a proximal end. adapter 152, a catheter shaft 154, a balloon channel 156, a guidewire channel 158, a balloon 146, and a guidewire 160. Balloon 146 can be tapered in an or him topered and surved from a proximal end to a distal end in the expanded state, be surved from a proximal end to a distal end in the expanded state. Additionally stent 10 can be non-tapered or tapered in the expanded state.

Typically the guidewire 160 is inserted into the vein or artery and advanced to the target site. The catheter shaft 154 is then forwarded over the guidewire 160 to position the stent 10 and balloon 146 into position at the target site. Once in position the balloon 146 is inflated through the balloon channel 156 to expand the stent 10 from a crimped to an expanded state. In the expanded state, the stent 10 provides the desired scaffolding support to the vessel. Once the stent 10 has been expanded, the balloon 146 is deflated and the catheter shaft 154, balloon 146, and guidewire 160 are withdrawn from the patient.

The stent of the present invention can be made as short as less than 10 mm in length or as long as 100 mm or more. If long stents are to be used, however, matching length delivery catheter balloons will typically be needed to expand the stents into their deployed positions. Long stents, depending on the target vessel, may require curved long balloons for deployment. Curved balloons which match the natural curve of a blood vessel reduce stress on the blood vessel during stent deployment. This is especially important in many coronary applications which involve stenting in curved coronary vessels. The use of such curved balloons is within the scope of the present invention.

30

5

The foregoing description of a preferred embodiment of the invention has been presented for purposes of illustration and description. It is not intended to be exhaustive or to limit the invention to the precise forms disclosed. Obviously, many modifications and variations will be apparent to practitioners skilled in this art. It is intended that the scope of the invention be defined by the following claims and their equivalents.

What is claimed is:

Filed 05/18/2007

5

6

7

8

9

10

1

2

3

2

1 2

CLAIMS

A stent in a non-expanded state, comprising:

a first column expansion strut pair, a plurality of the first column expansion strut pair forming a first expansion column;

a second column expansion strut pair, a plurality of the second column expansion strut pair forming/a second expansion column; and

a first serial connecting strut a plurality of first serial connecting struts. forming a first connecting/strut column, the plurality of first serial connecting struts coupling the first expansion column to the second expansion column; and

wherein the first expansion column, the second expansion column, and the first connecting strut column forming a plurality of geometric cells and at least a portion of the plurality are asymmetrical geometric cells.

- 2. The stent of claim 1, wherein the first column expansion strut pair defines a first column loop slot, and the second column expansion strut pair defines a second column loop slot.
- 3. The stent of claim 2, wherein the first column loop slot is parallel to the second column loop slot.
- The stend of claim 2, wherein the first column loop slot is not parallel to the second column loop slot.

The stent of claim 2, wherein the first column loop slot is noncollinear to the second column loop slot.

The stern of claim 2, wherein the first column loop slot is collinear with the second column loop slot.

1

2

1 2

| ٢ ١ | | 1 | |
|-----|----------------|----|---|
| | | 2 | (|
| | | 2 | 1 |
| | | 14 | 1 |
| | | 2 | |
| | | 3 | |
| | 08824142.03259 | 1 | |
| | it. | 2 | |
| | # | 3 | |
| | 10 | | |
| | Ш. | 1 | |
| | ίũ | 2 | |
| | Ď | 3 | |
| | ¥ | | |
| | | 5 | |
| | | | |
| | | 1 | |
| | | 2 | |
| | | 3 | |
| | | 4 | |
| | | 5 | |

2

1 2

1

2

| 5 | У. | The stent of claim 2, wherein a first column loop slot width is the |
|------|----------|---|
| same | as a sec | ond column loop slot width. |

8. The stent of chain 2, wherein a first column loop slot width is different than a second column loop slot width.

9. The stent of claim 2, wherein a first column loop slot shape is different than a second column loop slot shape.

The stent of claim 1, wherein a spacing distance between the first expansion column strut pair and an adjacent first expansion column strut pair in the first expansion column are different.

- 11. The stent of claim 1, wherein a spacing distance between the second column expansion strut pair and/an adjacent second column expansion strut pair in the second expansion column are different.
- 12. The stent of claim 2, wherein a spacing distance between the first expansion column strut pair and an adjacent first expansion column strut pair in the first expansion column, and a spacing distance between the second column expansion strut pair and an adjacent second column expansion strut pair in the second expansion column are the same.
- 13. The stent of claim 2, wherein a spacing distance between the first expansion column strut pair and an adjacent first expansion column strut pair in the first expansion column, and a spacing distance between the second column expansion strut pair and an adjacent second column expansion strut pair in the second expansion column are different.
- 14. The stent of claim 1, wherein at least a portion of the first connecting struts have a first radius of curvature.

| | 1 |
|----------|---|
| | 2 |
| | 3 |
| Ö D | 4 |
| 'n | 5 |
| ļ., | |
| . | 1 |
| , | 2 |
| Ш | 3 |
| | 4 |
| Δ U | 5 |
| N | |

l

| 1 | | 15. | The stent of claim 14, wherein the portion of the first connecting |
|--------|---------------|-------------|---|
| į | struts v | vith the | first radius of curvature have a second radius of curvature. |
| | | | h |
| \ | | 16. | The stent of claim wherein at least a portion of the first |
| . \ | connec | ting str | uts have first linear sections coupled to joining struts of first |
| | expans | ion stru | at pairs and second linear sections coupled to joining struts of |
| } | second | expans | sion strut pairs. |
| | |) , | |
| | 17 | 11. | The stent of claim 1, wherein at least a portion of the first |
| | connec | ting str | uts have first linear sections coupled to joining struts of first |
| | expans | ion stru | at pairs, second linear sections coupled to joining struts of second |
| | expans | ion stru | at pairs and third linear sections coupling the first and second linear |
| | section | S. | |
| سمر _ | | • : | · \ |
| | | 18. | The stent of claim 1, wherein at least a portion of the first |
| | connec | ting str | uts have first linear sections coupled to joining struts of first |
| | expans | ion stru | at pairs, second linear sections coupled to joining struts of second |
| | expans | ion stru | it pairs, third and fourth linear sections coupling the first and |
| | second | linear s | sections. |
| • | 11 | 7 | • |
| | 11, | J Ø. | The stent of claim 1, wherein the stent further includes a |
| | radiopa | ique ma | urker. |
| | $ \sqrt{} $ | / | |
| | 10 | 20. | The stent of claim 1, wherein the stent includes an electroplated |
| | materia | 1. | |
| / V | 7 | , | / |
| yb CAL | | 21. | A stent in a non-expanded state, comprising: |
| 7 | \mathcal{A} | | expansion column formed of a plurality of first expansion struts; |
| 4/ | / { | a secor | nd expansion column formed of a plurality of second expansion |
| Y | struts; | | |

Filed 05/18/2007

5

6

7

8

9

1

2

3

1

2

3

4

5

6

5.

3

a first connecting struct column formed of a plurality of first connecting struts, wherein the first conjecting strut column couples the first expansion column to the second expansion column and at least a portion of the first connecting struts include a proximal section, a distal section a first linear section and a first slant angle.

The stent of claim 1, further comprising:

a second connecting strut column formed of a plurality of second connecting struts.

123. The stent of claim 22, further comprising:

a first expansion strut pair including a first expansion strut, a second expansion strut and a joining strut coupling a first expansion strut proximal end to a second expansion strut proximal end; and

a second expansion strut pair including a first expansion strut, a second expansion strut and a joining strut coupling a distal end of the first expansion strut to a distal end of the second expansion strut, the second expansion strut pair being coupled to the first expansion strut pair by the first and second connecting struts, wherein the first expansion strut pair, the second expansion strut pair, a first connecting strut and a second connecting strut defining an asymmetrical cell space.

- The stent of claim 21, wherein at least a portion of the first connecting struts including a first slant angle have a second linear section coupled to the first linear section and the first slant angle is formed between the first and second linear sections.
- The stent of claim 21, wherein a first expansion strut in the first expansion column is circumferentially offset from a corresponding second expansion strut of the second expansion column.

| | 1 | 26. The stent of claim 21, wherein a first expansion strut in the first |
|---------|---|--|
| | 2 | expansion column shares a same longitudinal axis as a corresponding second |
| | 3 | expansion strut of the second expansion column. |
| | | |
| | 1 | 27. The stent of claim 21, wherein a ratio of a number of expansion |
| | 2 | struts in an expansion column to a number of connecting struts in a connecting |
| | 3 | strut column is 2 to 1. |
| | | |
| | I | 28. The stent of claim 21, wherein the stent includes m first and |
| | 2 | second expansion columns, n expansion struts per column and n (m-1)/2 |
| | 3 | connecting struts. |
| | | |
| D D | 1 | 29. The stent of claim 24, wherein each first slant angle is directed in |
| | 2 | a first circumferential direction. |
| her. | | |
| Ú | 1 | 30. The stent of claim 21 wherein the portion of the first connecting |
| | 2 | struts including a first slant angle further includes a second slant angle. |
| | 1 | 31. The stent of claim 21, wherein a portion of the first connecting |
| ň | 2 | The state of the s |
| / T) | 4 | struts include a section with at least one radius of curvature. |
| | 1 | 32. The stent of claim 21, wherein a width of a first connecting strut |
| | 2 | is equal to or less than a width of a first expansion strut. |
| | | of the state of th |
| | 1 | 33. The stent of claim 21, wherein a width of a first connecting strut |
| | 2 | is larger than a width of a first expansion strut. |
| | | |
| | 1 | 34. The stent of claim 21, wherein a width of the second expansion |
| | 2 | strut is substantially the same as a width of a first expansion strut. |
| | | |
| | 1 | 35. The stent of claim 21, further comprising: |
| | | |

ţ, t

| | 2 | a plurality of first expansion columns; |
|-----------------|-----|--|
| | 3 | a plurality of second expansion columns; and |
| | 4 | a plurality of first connecting strut columns, each first connecting strut |
| | 5 | column coupling a first expansion column to a second expansion column. |
| | | |
| | 1 | 36. The stent of claim 35, wherein the plurality of first expansion |
| | 2 | columns, the plurality of second expansion columns and the plurality of first |
| | 3 | connecting strut columns form a plurality of asymmetrical geometric cells. |
| | 1 | 37. The stent of claim 35, further comprising: |
| | 2 . | a reenforcement expansion column made of a plurality of reenforcement |
| rei Fi | 3 | expansion struts, wherein each reenforcement expansion strut has a width that is |
| 00 | 4 | greater than a width of a first or second expansion strut. |
| ľÜ | | |
| - 1-1-1 1-1 | 1 , | 38. The stept of claim \$5, wherein the stent has a proximal end with a |
| F. | 2 | first reenforcement expansion column and a distal end with a second |
| aso, strasso | 3 | reenforcement expansion column. |
| | | \ / |
| Ŋ | 1 | 39. The stent of claim 35, further comprising: |
| ហ | 2 | a third reenforcement expansion column positioned between a proximal |
| M | 3 | end and a distal end of the stent. |
| | | |
| | 1 | 40. The stent of claim 21, further comprising: |
| | 2 | a third expansion strut column formed of a plurality of the third |
| | 3 | expansion struts; and |
| | 4 | a second connecting strut column formed of a plurality of second |
| | 5 | connecting struts, wherein the second connecting strut column couples the |
| | 6 | second expansion column to the third expansion column and at least a portion of |
| | 7 | the second connecting struts include a proximal section, a distal section, a first |
| | 8 | linear section and a third slant angle. |
| | | |

Page 63 of 76

| Ũ |
|-------|
| Ø |
| U |
| 4 |
| - |
| - |
| Ŋ |
| 7 |
| |
| أبليأ |
| Ü |
| U) |
| Ç. |
| V |
| |

3

2

3

2

3

1

2

1

2

3

1

2

3

1

2

3

1

| 41. The stent | of claim 40, wherein the portion the second connecting |
|------------------------------|--|
| struts including a third sla | nt angle have a second linear section coupled to the |
| first linear section and the | third slant angle is formed between the first and |
| second linear sections. | |

- 42. The stent of claim 41, wherein each first slant angle is directed in a first circumferential direction, and each third slant angle is directed in an opposite second circumferential direction.
- 43. The stent of claim 40, wherein a second expansion strut in the second expansion column is circumferentially offset from a corresponding third expansion strut in the third expansion column.
- The stent of claim 40, wherein the portion of the second connecting struts having a third slant angle further includes a fourth slant angle.
- The stent of claim 40, wherein a second expansion strut in the second expansion column is circumferentially offset from a corresponding third expansion strut in the third expansion column.
- 46. The stent of claim 40, wherein a second expansion strut in the second expansion column shares a same longitudinal axis as a corresponding third expansion strut of the third expansion column.
- 47 The stent of claim 40, wherein a first expansion strut in the first expansion column shares a same longitudinal axis as a corresponding third expansion strut of the third expansion column.
- 48. The stent of claim 40, wherein a distal end of the first expansion column and a proximal end of the second column are substantially parallel.

Filed 05/18/2007

| July 8 | |
|--------|---------|
| - | struts; |
| | struts, |
| | colum |

2

3

9

1

2

3

5

1

1

2

3

1

2

1 2

A stent in a non-expanded state, comprising: a first expansion column formed of a plurality of first expansion struts; a second expansion column formed of a plurality of second expansion

a first connecting struf column formed of a plurality of first connecting s, wherein the first connecting strut column couples the first expansion nn to the second expansion column and a first expansion strut in the first expansion column is circumferentially offset from a corresponding second expansion strut of the second expansion column.

- The stent of claim 49, wherein at least a portion of the first 50. connecting struts includes a proximal section coupled to a distal section of a first expansion strut, a distal section coupled to a proximal section of a corresponding second expansion strut, a first linear section between the proximal and distal sections and a first slant angle
- The stent of claim 50, wherein the first connecting strut includes a second linear section coupled to the first linear section, the first slant angle being formed between the first and second linear sections in a first circumferential direction.
- The stent of claim 49, wherein the stent includes m first and second expansion columns, n expansion struts per column and n (m-1)/2 connecting struts.
- 53. The stent of claim 49, wherein the first and second expansion columns are each unbroken, continuous structures.
- The stent of claim 50, wherein each first connecting first strut slant angle is directed in a first circumferential direction.

| | i | 55. The stent of claim 50, wherein the first connecting strut further |
|-----------------|---|---|
| | 2 | includes a second slapt angle. |
| | | |
| | 1 | 56. The stent of claim 49, wherein the first connecting strut includes |
| | 2 | at least one radius of chrvature. |
| | | <u> </u> |
| | l | 57. The stemp of claim 49, wherein a width of the first connecting |
| | 2 | strut is equal to or less than a width of the first expansion strut. |
| | | |
| | 1 | 58. The stent of claim 49, wherein a width of the first connecting |
| | 2 | strut is larger than a width of the first expansion strut. |
| | | |
| 08824142.032597 | 1 | 59. The stert of claim 49, wherein a width of the second expansion |
| Ŋ | 2 | strut is substantially the same as the width of the first expansion strut. |
| # | | |
| Ŧ | 1 | The stent of claim 45, further comprising: |
| ı | 2 | a plurality of first expansion columns; |
| | 3 | a plurality of second expansion columns; and |
| Ŋ | 4 | a plurality of first connecting strut columns, each first connecting strut |
| ΙΠ | 5 | |
| Ä | • | column coupling a first expansion column to a second expansion column. |
| | 1 | |
| | 1 | 61. The stent of claim 60, further comprising: |
| | 2 | a reinforcement expansion column made of a plurality of reinforcement |
| | 3 | expansion struts, wherein at least a portion of the reinforcement expansion struts |
| | 4 | have a width that is greater than a width of at least a portion of expansion struts |
| | 5 | in the first or second expansion columns. |
| | | |
| | 1 | 62. The stent of claim 60, wherein the stent has a proximal end with a |
| | 2 | first reinforcement expansion column and a distal end with a second |
| | 3 | reinforcement expansion column. |
| | | |
| | | 1 |

and

2

3

4

5

6

8

1

2

3

4

5

ı

2

2

3

3

4

1

2

- The stent of claim 49, further comprising:

a third expansion column formed of a plurality of third expansion struts;

a second connecting strut column formed of a plurality of second connecting struts coupling the second expansion column to the third expansion column, wherein at least a portion of the second expansion struts in the second column are circumferentially offset from a corresponding portion of the third expansion struts of the third expansion column.

The stent of claim 63, wherein at least a portion of the second connecting struts include a proximal section coupled to a distal section of a second expansion strut, a distal section coupled to a proximal section of a corresponding third expansion strut, a first linear section between the proximal and distal sections and a third slant ankle.

The stent of claim 63, wherein a ratio of a number of expansion struts in an expansion strut column to a number of connecting struts in a connecting strut column is 2 to 1.

The stent of claim 63 wherein the stent includes m first, second and third expansion columns, n expansion struts per column and n (m-1)/2 first and second connecting struts.

The stent of claim \$3, wherein the portion the second connecting struts including a third slant angle have a second linear section coupled to the first linear section and the third slant angle is formed between the first and second linear sections.

The stent of claim 64, wherein the portion of the second 68. connecting struts including the third slant angle have a second linear section

2

3

1

2

1

2

1 2

2

1

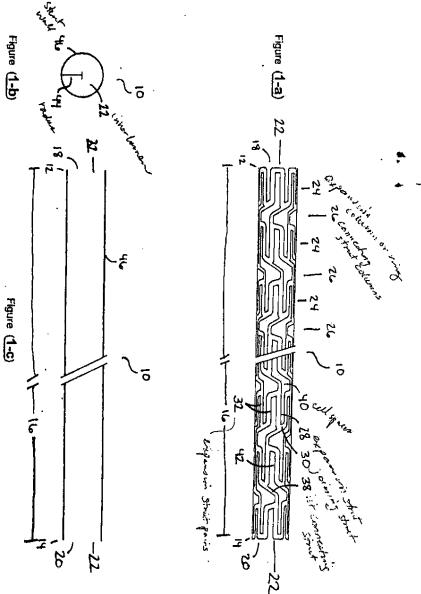
2

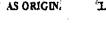
coupled to the first linear lection of the second connecting strut and the third slant angle is formed between the first and second linear sections

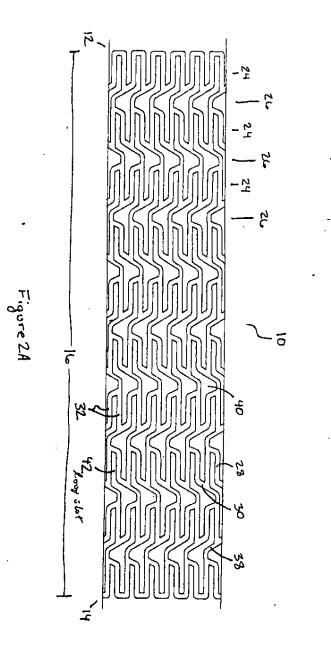
- The stent of claim 68, wherein each third strut slant angle is directed in a second circumfetential direction that is in an opposite direction of a first circumferential direction of the first strut angle of the first connecting strut.
- The stent of claim 64, wherein the second connecting strut 70. further includes a fourth slandangle.
- The stent of claim 64, wherein a first expansion strut in the first expansion column shares a same longitudinal axis as a corresponding third expansion strut of the third expansion column.

The stent of claim 64, further comprising: a radiopaque marker coupled to the stent.

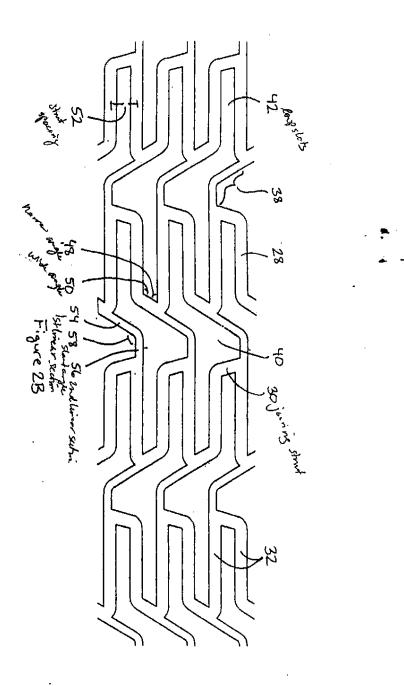
- 73. The stent of claim 1, wherein in an expanded state the stent has a tapered diameter.
- 74. The stent of claim I wherein in an expanded state the stent has a tapered geometry extending from a proximal end to a distal end.





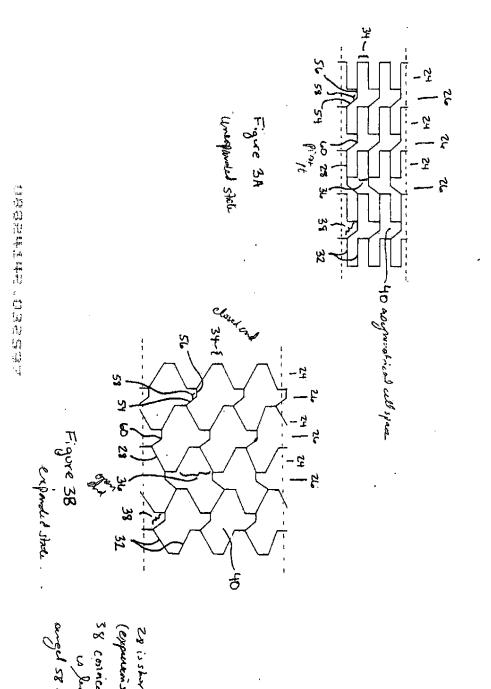


PRINT OF DR SGS
AS ORIGINAL LED

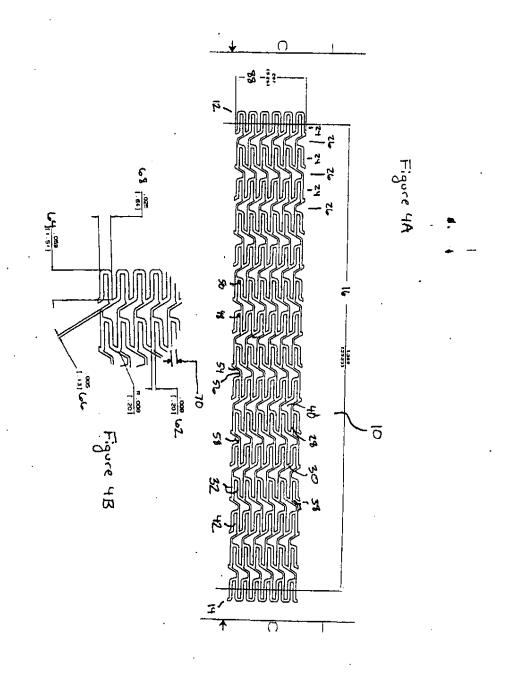


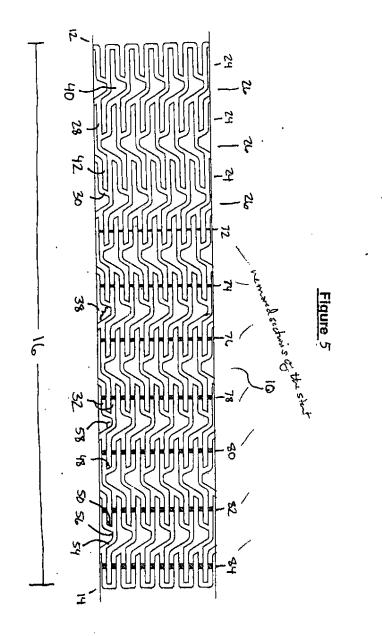
人类似的而句, 原生产生面包的现代

PRINT OF D INGS
AS ORIGINA FILED



PRINT OF DRAWINGS
AS ORIGINA FILED





"我就是我们本的,这是用的意义

